हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 210, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 1 फरवरी, 2024 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

राष्ट्रपति मुर्मु ने संसद में पेश किया रिपोर्ट कार्ड

अभिभाषण में राष्ट्रपति ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को देश के साथ किया साझा

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण से हुआ। अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को देश के साथ साझा किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने देश की आर्थिक विकास, बढ़ती सैन्य ताकत, महंगाई पर लगाम समेत आतंकवाद पर प्रहार जैसे कई मुद्दों का जिक्र किया। संबोधन की शुरूआत में उन्होंने कहा,"इस नए सदन भवन में यह मेरा पहला संबोधन है. आज की अमृत काल की शुरूआत में यह भव्य भवन बना है. यह भारत की सभ्यता, संस्कृति की चेतना भी है।" द्रौपदी मुर्मु ने मोदी सरकार के 10 साल की 10 बड़ी कामयाबी का भी जिक्र किया है।

वन रैंक वन पेंशन- "हमारी सरकार ने वन रैंक वन पेंशन स्कीम लायी है. ये स्कीम लागू होने से लेकर अब तक 1 लाख करोड़ रुपये लोगों को मिल चुके हैं।"

नया संसद भवन में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की महक- "अमृत काल की शुरूआत में यह भवन बना है, यहां एक भारत, श्रेष्ठ भारत की महक भी है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस नए भवन में नीतियों पर सार्थक संवाद होगा। ऐसी नीतियां जो आजादी के अमृत काल में विकसित भारत का निर्माण करेंगी।"

उज्ज्वला योजना पर 2.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए- "सरकार ने उज्ज्वला योजना पर 2.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए और गरीबों को सस्ता राशन देने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए खर्च किए। इसके अलावा आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 11 करोड़ घरों को पहली बार नल से जल योजना से जोड़ा गया।"

25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर निकले- "हम सभी बचपन से गरीबी हटाओ के नारे सुनते आ रहे हैं लेकिन अब हम बड़े पैमाने पर गरीबी को दूर होते देख रहे हैं। नीति आयोग के अनुसार मेरी सरकार के एक दशक के कार्यकाल में लगभग 25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर निकले हैं।"

7.2 प्रतिशत विकास दर- "बीते वर्ष भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा है। भारत सबसे तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था बना। लगातार दो तिमाही से भारत की विकास दर 7.5 प्रतिशत से ज्यादा रही है। भारत को अपना सबसे बड़ा समुद्री पुल अटल सेतु मिला। भारत को अपनी पहली नमो भारत ट्रेन और पहली अमृत भारत ट्रेन मिली। भारत की एयरलाइन कंपनी ने दुनिया की सबसे बड़ी एयरक्राफ्ट डील की।"

राम मंदिर निर्माण- "राम मंदिर के निर्माण की आकांक्षा सदियों से थी, आज यह सच हो चुकी है।"

आतंकवाद पर प्रहार- "आतंकवाद हो या विस्तारवाद, हमारी सेनाएं आज 'जैसे को तैसा' की नीति के साथ जवाब दे रही हैं। जम्मू कश्मीर में आज सुरक्षा का वातावरण है। आज वहां हड़ताल का सन्नाटा नहीं, भीड़भाड़ बाजार की चहल-पहल है। नॉर्थ-ईस्ट में अलगाववाद की घटनाओं में भारी कमी आई है।"

मिशन चंद्रयान- "भारत चंद्रमा के साउथ पोल पर झंडा फहराने वाला पहला देश बना. मेरी सरकार के कार्यकाल में ही भारत जो पहले टॉप-10 इकोनॉमी था अब दुनिया की टॉप-5 इकोनॉमी में शामिल हो चुका है।"

विकसित भारत के 4 स्तंभ- "विकसित भारत के 4 स्तंभ बताए हैं। उन्होंने कहा है कि विकसित भारत की भव्य इमारत 4 स्तंभ पर खड़ी हो सकती है। ये 4 स्तंभ युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान शक्ति और गरीब वर्ग है।"

नारी शक्ति अधिनियम- "राष्ट्रपति ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार ने लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। नारी शक्ति अधिनियम से लोकसभा राज्यसभा में महिलाओं का पार्टिसिपेशन बढ़ेगा।" वहीं, राष्ट्रपति ने आगे कहा, "लोग जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना चाहते थे। अब अनुच्छेद 370 भी इतिहास है।

टीईटी पास किए बगैर प्राथमिक शिक्षकों का न हो प्रमोशन : हाईकोर्ट

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम आदेश में कहा कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एन सी टी ई) की 11 सितंबर 2023 की अधिसूचना के तहत निर्णय लेने के बाद ही प्राथमिक शिक्षकों की प्रश्नगत प्रोन्नति की जाए। इस अधिसूचना के तहत जूनियर और सीनियर बेसिक स्कूलों के सहायक व प्रधान अध्यापक/अध्यापिका के पदों पर प्रमोशन को टीईटी को अनिवार्य किया गया है। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश अर्ह अध्यापकों की प्रोन्नति में बाधा न माना जाय और इस संबंध में की गई कारवाई इस याचिका के परिणाम के अधीन होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने हिमांशु राणा व अन्य की याचिका पर दिया। याचिका में उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा (अध्यापक) सेवा नियमावली 1981 के नियम 18 की वैधता को उस सीमा तक चुनौती दी गई है जहां तक एन सी टी ई की अधिसूचना के तहत उसमें टी ई टी को अनिवार्य करने का संशोधन नहीं किया गया है। याचियों का कहना था कि प्रोन्नति के लिए प्राथमिक शिक्षकों को टी ई टी पास होना जरूरी है। इसके बावजूद नियम 18 के तहत टी ई टी पास न करने वाले शिक्षकों को प्रोन्नत किया जा रहा है। जबकि प्रमोशन के लिए टीईटी पास होना अनिवार्य शर्त है। कोर्ट ने कहा यह मामला गौर करने योग्य है। कोर्ट ने मामले में केंद्र ,राज्य सरकार समेत सभी पक्षकारों को तीन हफ्ते में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।

स्पेशल डीजी के पद पर रहे प्रशांत कुमार यूपी के नए कार्यवाहक डीजीपी बने, अखिलेश ने उठाए सवाल

प्रखर लखनऊ। डीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार को राज्य सरकार ने प्रदेश पुलिस का नया मुखिया बना दिया है। कार्यवाहक डीजीपी विजय कुमार के बुधवार को सेवानिवृत्त होने के बाद प्रशांत कुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वर्ष 1990 बैच के आईपीएस प्रशांत कुमार 16 अफसरों को सुपरसीड करके कार्यवाहक डीजीपी बने हैं। बीते करीब साढ़े तीन वर्ष से वह कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसके अलावा उनके पास ईओडब्ल्यू और स्टेट एसआईटी की जिम्मेदारी भी है। यह लगातार चौथी बार है जब यूपी में कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति हुई है।

बता दें कि मूल रूप से बिहार के सीवान निवासी प्रशांत कुमार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पसंदीदा अफसरों में शामिल माना जाता है। एडीजी जोन मेरठ रहने के दौरान उन्होंने कई अपराधियों का एनकाउंटर किया था, जिसके बाद उनको एडीजी कानून-व्यवस्था बनाया गया था। तत्पश्चात उन्होंने प्रदेश के 66 माफियाओं की सूची तैयार कर कानून का शिकंजा कसना शुरू कर दिया। उनके नेतृत्व में एसटीएफ और जिलों की पुलिस ने एनकाउंटर करने का सिलसिला जारी रखा। उल्लेखनीय है कि प्रशांत कुमार को चार बार राष्ट्रपति का वीरता पदक मिल चुका है। उन्होंने एमएससी, एमफिल और एमबीए की शिक्षा ग्रहण की है। उनकी पत्नी डिंपल वर्मा रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में रेरा में सदस्य हैं।

इन अफसरों को किया सुपरसीड- मुकुल गोयल, आनंद कुमार, शफी अहसान रिजवी, आशीष गुप्ता, आदित्य मिश्रा, पीवी रामाशास्त्री, संदीप सालुंके, दलजीत सिंह चौधरी, रेणुका मिश्रा, बिजय कुमार मौर्या, सत्य नारायन साबत, अविनाश चंद्रा, संजय एम. तरडे, एमके बशाल, तनूजा श्रीवास्तव, सुभाष चंद्रा।

अखिलेश यादव ने उठाए सवाल- यूपी में डीजीपी की नियुक्ति को लेकर अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि लगता है एक बार फिर उप्र को कार्यवाहक डीजीपी मिलनेवाला है। जनता पूछ रही है कि हर बार कार्यवाहक डीजीपी बनाने का खेल दिल्ली-लखनऊ के झगड़े की वजह से हो रहा है या फिर अपराधियों के संग सत्ता की साँठगाँठ के कारण।

जातीय गणना पर झूठा क्रेडिट ले रहे राहुल गांधी, मैंने इसे करवाया; यह कहते हुए सीएम नीतीश ने किया पलटवार

पटना। एनडीए के साथ मिलकर सरकार बनाने के बाद पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। पटना में मीडिया ने उसे पूछा कि बिहार में जाति जनगणना का श्रेय राहुल गांधी ले रहे हैं, इस सवाल पर सीएम नीतीश कुमार तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इससे बढ़कर कोई फालतू बात ही नहीं है। जाति आधारित गणना कब हुआ? आप भूल गए। मैंने नौ पार्टियों की मौजूदगी में जाति गणना करवाया। 2019 और 2020 में विधानसभा से लेकर सार्वजनिक बैठकों तक हर जगह जाति जनगणना कराने की बात कहता रहता था। इसके बाद 2021 में मैं प्रधानमंत्री से भी मिलने गया। नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि सभी दलों की सहमति से मैंने जाति गणना करवाया। उस समय विपक्ष दूसरे तरफ थे, उनलोगों को भी मैंने कहा। मैं तो उन्हें ले भी गया था। क्या होना चाहिए यह आपलोग अच्छी तरह जानते हैं। कितने लोग किस काम को कैसे करेंगे, यह तो मैंने करवाया। कितना काम किया है मैंने यह तो सब लोग जान ही रहे हैं। कोई अपना क्रेडिट का ले रहा है, इसे छोड़िए न, अब इन सब बातों का कोई मतलब नहीं है। जितनी बहाली हुई, यह सब सात निश्चय के तरह न हुआ है। इसपर भी कोई अपना दावा कर रहा है तो अब इसका कोई मतलब नहीं है। दरअसल, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक चुटकुला के जरिए हमला बोला था। उन्होंने यह भी कहा था कि नीतीश कुमार मामूली दबाव भी नहीं सह पाते हैं। थोड़ा सा दबाव पड़ने पर यू-टर्न ले लेते हैं। इसके बाद राहुल ने दावा किया कि बिहार में जातीय गणना उनके ही दबाव में हुई। बिहार की जनता से इंडी गठबंधन ने सामाजिक न्याय का वादा किया था। राहुल गांधी ने कहा कि नीतीश कुमार को हमने स्पष्ट कहस कि आपको जातिगत गणना करानी होगी, हम छूट नहीं देंगे। इसके बाद राजद और कांग्रेस ने दबाव डालकर यह काम करवाया। राहुल ने यह भी कहा था कि सरकार में आने पर इंडी गठबंधन पूरे देश में जातीय गणना कराने पर प्रतिबद्ध है।

व्यासजी के तहखाने में पूजा की मिली अनुमति, जिला जज की कोर्ट ने दिया आदेश

प्रखर वाराणसी। ज्ञानवापी केस में बड़ा फैसला आया है। यह फैसला हिंदू पक्ष में सुनाया गया है। फैसले के मुताबिक, ज्ञानवापी तहखाने में हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिला गया है। ज्ञानवापी स्थित व्यासजी के तहखाने में पूजा किए संबंधी आवेदन पर जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में दोनों पक्ष की तरफ से मंगलवार को बहस पूरी कर ली गई थी। अदालत ने इस प्रकरण में बुधवार को अपना आदेश सुनाया। तहखाने में पूजा करने की अनुमति मिल गई है। वादी के अधिवक्ताओं के मुताबिक व्यासजी के तहखाने को डीएम की सुपुर्दगी में दिया गया है। अधिवक्ताओं के अनुरोध पर कोर्ट ने नंदी के सामने की बैरिकेडिंग को खोलने की अनुमति दी है। ऐसे में अब तहखाने में 1993 के पहले के जैसे पूजा के लिए अदालत के आदेश से आने- जाने दिया जाएगा। मंगलवार को कोर्ट में अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ से अधिवक्ता मुमताज अहमद और एखलाक अहमद ने कहा था कि व्यासजी

का तहखाना मस्जिद का हिस्सा है। वहां पूजा की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह मुकदमा पूजा स्थल अधिनियम से बाधित है। तहखाना वह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है। लिहाजा, वहां पूजा-पाठ कि अनुमति न दी जाए।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल को ईडी का 5वां समन, शराब घोटाले में होनी है पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में चल रही जांच में 2 फरवरी को जांच में शामिल होने के लिए नया समन जारी किया है। ईडी ने 17 जनवरी, तीन जनवरी, 21 दिसंबर और दो नवंबर को केजरीवाल को समन भेजा था, लेकिन दिल्ली सीएम पेश नहीं हुए थे। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए जवाब में पूछा कि यदि वह आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी नहीं हैं, तो उन्हें समन क्यों जारी किया गया। इससे पहले ईडी द्वारा भेजे गए समन को लेकर अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि राजनीतिक षड्यंत्र के तहत उनको समन भेजे जा रहे हैं। तथाकथित आबकारी मामले की जांच पिछले दो साल से चल रही है। इन दो सालों में इनको कुछ भी नहीं मिला। कई कोर्ट भी ईडी से कई बार सवाल पूछ चुकी हैं कि कितने पैसों की रिकवरी हुई, क्या कहीं कोई सोना, जमीन के कागजात मिले, लेकिन ईडी को कहीं कुछ नहीं मिला है। लोगों को मार-मार कर झूठे बयान लिए जा रहे हैं। उधर, आप की वरिष्ठ नेता व मंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा अपने कामों के दम पर नहीं, बल्कि सीबीआई-ईडी का इस्तेमाल करते हुए चुनाव जीतना चाहती है। मुख्यमंत्री का दावा है कि कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। ईडी को अभी तक सुबूत नहीं मिले हैं, जबकि पिछले दो साल से शराब घोटाले की चर्चा हो रही है और जांच एजेंसी कई रेड मार चुकी है। केजरीवाल का आरोप है कि फर्जी मामले में जांच एजेंसी ने आप के कई नेताओं को जेल में डाल रखा है। अब भाजपा पूछताछ के बहाने उनको भी गिरफ्तार कराना चाहती है। उसका मकसद आप के लोकसभा चुनाव प्रचार को रोकना है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी संपत्ति ईमानदारी है।

मालदा में ममता बनर्जी ने शुरू की जोनोसंजोग यात्रा', कार्यक्रम के दौरान ढोल पर भी आजमाया हाथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को मालदा जिले के इंग्लिश बाजार में अपनी जोनोसंजोग यात्रा शुरू की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जुलूस मालदा पुलिस लाइन मैदान से शुरू हुआ और जिला खेल संघ मैदान पर समाप्त होगा। अपनी इस पदयात्रा के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने स्थानीय लोगों से भी मिलीं। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में ममता ने कहा, 'मैं राजनीति के लिए कम आती हूं लेकिन कुछ दल ऐसे हैं जो चुनाव के समय कोयल की तरह कुहू-कुहू करना शुरू कर देते हैं। भाजपा के साथ हमारी लड़ाई चलेगी, हम अकेले ही लड़ेंगे। भाजपा को अगर कोई हरा सकता है तो वह तृणमूल कांग्रेस ही है।' पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी ने कहा, "मैं राजनीति के लिए कम आती हूं लेकिन कुछ दल ऐसे हैं जो चुनाव के समय कोयल की तरह कुहू-कुहू करना शुरू कर देते हैं... भाजपा के साथ हमारी लड़ाई चलेगी, हम अकेले ही लड़ेंगे। भाजपा को अगर कोई हरा सकता है तो वह तृणमूल कांग्रेस ही है।" मालदा में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न सरकारी सेवाओं और पहलों को जनता को समर्पित

किया। इस दौरान उन्होंने ढोल बजाने में हाथ आजमाया। कूच बिहार, उत्तर दिनाजपुर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों की यात्राएं पूरी करने के बाद बनर्जी आज सुबह मालदा पहुंचीं। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। बता दें कि मालदा और मुर्शिदाबाद दोनों ही कांग्रेस के गढ़ माने जाते हैं।

'हमें भी उनकी सलाह माननी चाहिए', विपक्षी सांसदों को लेकर पीएम के बयान पर खरगे का तंज

नई दिल्ली। संसद की बजट सत्र की शुरूआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आदतन हुड़दंग करते हैं। ऐसे बर्ताव से लोकतंत्र का चीरहरण होता है। पीएम मोदी के इस बयान पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तंजपूर्ण अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। मीडिया से बात करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा, 'वह एक अनुशासित व्यक्ति हैं जो नियमों और संविधान का पालन करते हैं। हमें भी उनकी सलाह माननी चाहिए।' संसद में आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन पर भी खरगे ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति के भाषण में केवल पीएम मोदी और उनकी सरकार की तारीफ की गई है। यह पीएम मोदी के लिए एक प्रचार और एक राजनीतिक भाषण था। भाषण में बेरोजगारी पर कोई बात नहीं की गई। यह गरीबों को

फंसाने का एक दस्तावेज था। विपक्षी सांसदं को लेकर पीएम मोदी के बयान पर राकांपा सांसद फौजिया खान ने कहा, 'जब विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर सरकार से बयान की मांग की, तो उन्हें निलंबित कर दिया गया। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब वे इससे ज्यादा प्रदर्शन करते थे।' सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, यहां गरीब और अमीर के बीच के अंतर का क्या? प्रधानमंत्री ने रचनात्मक आलोचना की अपील करते हुए कहा, 'विरोध का स्वर तीखा क्यों न हो, आलोचना तीखी क्यों न हो। लेकिन अच्छे विचारों से जिन्होंने सदन को आशान्वति किया होगा, उनसे देश प्रभावित हुआ होगा।

जिन्होंने भले ही विरोध न किया हो, लेकिन खुद की प्रतिभा से परिचय कराया होगा, तीखी आलोचना के बावजूद अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखा होगा।' लेकिन जिन्होंने सिर्फ हुड़दंग, शरारतपूर्ण व्यवहार किया होगा। उन्हें शायद ही कोई याद करेगा। यह बजट सत्र पश्चाताप का भी अवसर है। यह अच्छे फुटप्रिंट छोड़ने का भी अवसर है। उन्होंने सभी सांसदों से बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करने की अपील करते हुए अपने संबोधन का समापन भी 'राम-राम' बोलकर किया।

संसद में दर्शकों के एंट्री पास बनवाने का नियम बदला क्यूआर कोड-बायोमेट्रिक के बगैर नहीं मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली। संसद के शीत सत्र के दौरान हुई घटना के बाद अब संसद भवन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से बदल गई है। संसद भवन देखने आने वाले लोगों के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। अब दर्शकों को पहले से ज्यादा सुरक्षा घेरे से होकर गुजरना होगा। संसद में प्रवेश के लिए क्यूआर कोड अप्रूवल कराना होगी। ये प्रक्रिया तीन चरण में होगी। जानकारी के अनुसार, अब दर्शकों को अंदर आने की इजाजत तभी दी जाएगी तब उनके पास एंट्री करवाने वाले स्मार्ट कार्ड होंगे। संसद सदस्यों के आनलाइन आवेदन मंजूर होने के बाद दर्शकों के मोबाइल पर एक क्यूआर कोड आएगा। क्यूआर कोड और आधार कार्ड दर्शकों को बायोमेट्रिक इंप्रेशन देकर फोटो खिंचवाना होगा। इसके बाद उसे स्मार्ट कार्ड दिया जाएगा। इस कार्ड को गेट पर दिखाने और बायोमेट्रिक की पुष्टि होने के बाद ही दर्शकों को अंदर प्रवेश मिलेगा। दर्शकों को संसद भवन से लौटते समय से स्मार्ट पास जमा करवाने होंगे। अगर कोई दर्शक इन पास को जमा नहीं करता है तो उसे ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा। इसके बाद भविष्य में संसद परिसर में एंट्री नहीं होगी। सांसदों से भी कहा गया है कि, अपने विजिटर्स के पास के लिए कम से कम तीन दिन पहले आवेदन करें ताकि पुलिस वेरिफिकेशन हो सकें। नई व्यवस्था में दर्शक दीर्घा की क्षमता के हिसाब से पास बनने के बाद तुरंत बंद कर दिया जाएगा। अब एक सांसद एक दिन में पांच दर्शकों के लिए अप्लाई कर सकते है। इसके पहले यह संख्या चार थी। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए विजिटर्स गैलेरी के ग्रुप पास और उसी दिन के पास बंद कर दिए गए है। इससे पहले सांसदों के हस्ताक्षर किए हुए आवेदन के साथ पेपर पास जारी किए जाते थे। दर्शकों के पास के लिए सांसदों को संसद की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। सदस्य के लॉगिन क्रेडेंशियल के जरिए लॉग इन किया जा सकता है। इसके बाद गैलेरी पास पर जाकर दी हुई प्रक्रिया पूरी करना होगी।

संपादकीय

टूटे न जीवन की डोर

जब परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में देश के करोड़ों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों से दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम व वर्चुअल संवाद के जरिये प्रधानमंत्री परीक्षा भय से मुक्त होने की बात कर रहे थे, देश के कई भागों से छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें आ रही थीं। जाहिर है अभिभावक व शिक्षक इन बच्चों के मानसिक द्वंद्व व वास्तविक दिक्कतों को नहीं समझ पा रहे हैं, जिसके चलते इन बच्चों को मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प नजर आ रहा है। निश्चित रूप से परीक्षा का भय इस कदर बच्चों पर हावी है कि उन्हें लगने लगता है कि परीक्षा में असफलता के बाद जीवन में कुछ शेष नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री ने इस संबोधन में इन तमाम चुनौतियों को संबोधित किया। उन्होंने गहरी बात कही कि बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न बनाएं। यह एक हकीकत है कि अपने जीवन में शैक्षिक व रोजगारपरक लक्ष्यों को हासिल न कर पाने वाले अभिभावक अपने बच्चों से आईएएस, डॉक्टर व इंजीनियर बनने की उम्मीद पाल बैठते हैं। जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करते हुए यह नहीं सोचते कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं और हमारी उम्मीदों का बोझ वे किस सीमा तक बर्दाश्त कर पाएंगे। संगरूर में मेरिटोरियस स्कूल के हॉस्टल से एक छात्र के पिता को फोन जाता है कि तुम्हारे बच्चे के नंबर कम आए हैं। उसे हॉस्टल से निकाल दिया जाएगा। इसके तीन घंटे बाद खबर आई कि छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। यहां इस फोन करने वाले शिक्षक की जवाबदेही तय की जानी चाहिए कि उसने ऐसा संवेदनहीन व्यवहार क्यों किया। क्या नंबर कम आने के लिये छात्र को हॉस्टल से निकाल देना समस्या का समाधान है? यह दबाव अभिभावकों पर बना तो छात्र तनाव में आ गया। क्या उन कारणों की पड़ताल नहीं की जानी चाहिए थी जिसकी वजह से छात्र के नंबर कम आए? नये दौर में संक्रमणकाल से गुजर रहे छात्रों को समझने में क्या शिक्षक जिम्मेदार भूमिका निभा रहे हैं? वहीं दूसरी ओर कोचिंग बाजार का गढ़ बन चुके कोटा में छात्रों की आत्महत्या का सिलसिला थम नहीं रहा है। कोटा से फिर एक संभावना के अस्त होने की खबर आ रही है। वहां से बुरी खबर आई कि सोमवार को जेईई व नीट परीक्षा की तैयारी कर रही 18 साल की निहारिका ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले लिखे पत्र में उसने लिखा- मम्मी-पापा, मैं जेईई नहीं कर सकती, इसलिए सुसाइड कर रही हूं। आई एम लूजर, यही लास्ट ऑप्शन है। जाहिर है बच्ची इतनी भयाक्रांत थी कि परीक्षा से पहले ही आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। जाहिर है इस फैसले में परिवार की उम्मीदों का बोझ ही शामिल होगा, जिसके चलते परीक्षा की विफलता को उसने जीवन का अंत मान लिया। आखिर क्यों मां-बाप बच्चों के साथ ऐसा सहज संवाद नहीं बना पाते कि इस आत्मघाती फैसले से पहले वह किसी तरह का विमर्श उनके साथ कर सके? क्यों हम बच्चों के सामने ऐसे हालात पैदा कर देते हैं कि उन्हें लगता है कि परीक्षा में उत्तीर्ण न हुए तो जीवन ही खत्म हो जाएगा? प्रश्न यह भी है कि उम्मीदों का कब्रगाह बनते कोटा भेजने से पहले क्या अभिभावकों ने सोचा है कि क्या जेईई में निकलना निहारिका का पैशन भी है? हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। ईश्वर उसे किसी निश्चित लक्ष्य के लिये रचता है। दुर्भाग्य से मां-बाप उसकी रुचि व रुझान को नहीं समझ पाते। अपनी इच्छाएं थोपकर उसे कैरियर की दिशा निर्धारित करने के लिये कह देते हैं। यहीं से उसके जीवन में द्वंद्व शुरू होते हैं। जो पाठ्यक्रम छात्र-छात्राओं के मन का होता है उसमें वे जीवन में आशातीत सफलता प्राप्त करते हैं, विशिष्टता हासिल करते हैं। दुर्भाग्य से हम 21वीं सदी के बच्चों को 19वीं सदी के हंटर से हांक रहे हैं। उनके अहसासों व उम्मीदों का खात्मा कर रहे हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा के छद्म प्रदर्शन के लिए कि हमारा बेटा डॉक्टर व इंजीनियर है, बच्चों के अरमानों का गला घोंट रहे हैं। दरअसल, शिक्षक व अभिभावकों से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए।

महंगाई और बेरोजगारी पर काबू पाना अब भी बड़ी चुनौती

इस बार आर्थिक सर्वेक्षण के बजाय वित्त मंत्रालय ने बजट पूर्व आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट पेश की। चुनावी वर्ष होने की वजह से इस बार अंतरिम बजट पेश होगा, इसलिए सरकार ने फैसला किया कि आर्थिक सर्वेक्षण के बजाय समीक्षा रिपोर्ट पेश की जाएगी। आर्थिक सर्वेक्षण चुनाव के बाद पेश होने वाले पूर्ण बजट के समय प्रकाशित किया जाएगा। अभी तक यही परंपरा रही है कि बजट से एक दिन पहले आर्थिक सर्वेक्षण प्रकाशित किया जाता है। उसमें बताया जाता है कि पिछले बजट में सरकार ने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें कहां तक हासिल किया जा सका है। इस तरह आर्थिक सर्वेक्षण एक तरह से सरकार के पूरे एक वर्ष के प्रदर्शन का मूल्यांकन भी करता है। मगर इस वर्ष वह परंपरा बदल दी गई। समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्तवर्ष में भारत की विकास दर सात फीसद रहेगी। अगले तीन वर्षों में पांच लाख करोड़ डालर के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी 3.7 लाख करोड़ डालर की अनुमानित जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था है। 2030 तक इसके सात लाख करोड़ डालर तक पहुंचने और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की उम्मीद जताई गई है। समीक्षा रिपोर्ट में लगभग वही बातें कही गई हैं, जो पिछले काफी अरसे से कही जा रही हैं। पांच लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनना सरकार का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य है। अभी जिस तरह दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, मगर उसके बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का रुख ऊपर की तरफ बना हुआ है, उसमें इसके पांच लाख करोड़ डालर के लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल नहीं माना जा रहा। समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दस वर्षों में कई उल्लेखनीय सुधार हुए हैं, जिसका असर आर्थिक प्रगति पर स्पष्ट देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू मांग और निवेश बढ़ा है, जिसके चलते पिछले तीन वर्षों से विकास दर सात फीसद से अधिक रही है। हालांकि समीक्षा रिपोर्ट में कही गई बातों से कितने आर्थिक विशेषज्ञ सहमत होंगे, देखने की बात है। एक संतुलित अर्थव्यवस्था में विकास दर की जो गति होनी चाहिए, वह लड़खड़ाती नजर आती है। महंगाई और बेरोजगारी की दर पर काबू पाना अब भी बड़ी चुनौती है। इसलिए घरेलू मांग और निवेश का बढ़ना कुछ असंगत जान पड़ता है। औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में उत्साह नजर नहीं आ रहा। निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र भी उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में विकास दर में संतुलन को लेकर सवाल बने रहते हैं। हालांकि दुनिया की सभी रेटिंग एजंसियां मानती हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और इस वर्ष इसके सात फीसद से ऊपर रहने का अनुमान है। मगर व्यापार घाटे और राजकोषीय घाटे से पार पाना अब भी कठिन बना हुआ है। रोजगार के अपेक्षित नए अवसर सृजित न हो पाने के कारण बड़ी संख्या में लोगों की क्रयशक्ति कमजोर हुई है। बाजार में पूंजी का प्रवाह संतुलित नहीं हो पा रहा, जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक को रेपो दरों के मामले में कड़ा रुख अपनाए रखना पड़ रहा है। आय में असमानता बढ़ रही है, जो बड़ी चिंता का विषय है। इसलिए गरीबों की संख्या में कमी आने को लेकर भी संदेह जताए जा रहे हैं। ऐसे में अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर निस्संदेह उत्साह पैदा करती है, पर बुनियादी कमजोरियों को दूर किए बिना विकसित राष्ट्र के दावे शायद अधूरे ही रहें।

नीतीश कुमार का फैसला देश के सियासी नक्शे को ही बदल सकता है

डॉ. आशीष वशिष्ट

बिहार में एक बार फिर सत्ता परिवर्तन हुआ है। मुख्यमंत्री नहीं बदले हैं, गठबंधन सरकार बदली है। नीतीश कुमार का राष्ट्रीय जनता दल से एक बार फिर मोहभंग हुआ है और पुराने सहयोगी एनडीए गठबंधन से टूटा प्यार, एक बार फिर जुड़ चुका है। कभी एनडीए, कभी महागठबंधन, तो कभी इंडिया... बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कब सियासी फायदे की खातिर पलटी मार लेंगे, इसका अंदाजा लगा पाना भी बिल्कुल वैसा ही है, जैसे रेत के मैदान में एक सुई को ढूंढ़ना। करीब 2 साल तक पीएम नरेंद्र मोदी को कोसने वाले नीतीश को, मोदी के सहारे ही 24 की चुनावी नैया पार होती दिख रही है।

नीतीश कुमार ने नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। वास्तव में बीजेपी और आरजेडी दोनों की मजबूरी नीतीश कुमार हैं, उनके बिना सरकार बनाने का ख्वाब कोई नहीं देख सकता। उन्होंने न तो बीजेपी को इस हाल में छोड़ा है, न तो आरजेडी को कि बिना नीतीश के सरकार बना लें। बिहार की राजनीति के पन्ने पलटें तो नीतीश कुमार ने बेमेल गठबंधन पहली बार 2014 में किया। वह जंगलराज सरकार के धुर विरोधी थे, उन्होंने आरजेडी से गठबंधन कर लिया। यह गठबंधन बहुमत से चुनाव जीत गया। साल 2017 में नीतीश का मोह गठबंधन से भंग हो गया। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का साथ उन्हें पसंद नहीं आया और भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर उन्होंने बीजेपी से नाता जोड़ लिया। साल 2019 का लोकसभा चुनाव, 2020 का विधानसभा चुनाव जेडीयू और बीजेपी ने साथ मिलकर लड़ा। जंगलराज सरकार का डर दिखाकर भी कुल 43 सीटें ही नीतीश बाबू हासिल कर सके। 2022 में बीजेपी फिर नीतीश कुमार को तानाशाह वाली पार्टी नजर आने लगी। नीतीश कुमार ने लालू परिवार के साथ मिलकर सरकार बनाई। तेजस्वी फिर डिप्टी बने। तेजस्वी ने वादा किया कि वे सरकारी नौकरियों की भरमार लगा देंगे। उन्होंने काम भी शुरू किया और क्रेडिट भी लेने लगे। नीतीश को यह रास नहीं आया और खटास बढ़ती गई। लंबे वक्त तक भाजपा के साथ गठबंधन में रहने वाले नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव 2014 में भाजपा को पानी पी-पीकर कोसा था, इसके बाद लालू की पार्टी के साथ मिलकर वो बिहार में सरकार बनाते हैं, मुख्यमंत्री बनते हैं और देखते ही देखते एक बार फिर लालू से पीछा छुड़ाकर भाजपा को गले लगा लेते हैं। 2019 का आम चुनाव एनडीए में रहते हुए लड़ते हैं। फिर 2020 का विधानसभा चुनाव भी साथ में लड़ते हैं, जिसमें उनकी पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा, बावजूद इसके वो फिर से सीएम बनते हैं। मगर न जाने क्यों, नीतीश कुमार ने पलटी मार ली और फिर से लालू के साथ चले गए। अब एक फिर सीएम नीतीश ने साल 2017 वाला पलटीमार कांड दोहराया और उसी अंदाज मे लालू का साथ छोड़ भाजपा के साथ चले गए।

बिहार की 40 सीटों पर हुए पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा का बोलबाला रहा है। 2014 के चुनावी नतीजों में भाजपा ने अकेले 22 सीटें हासिल की थी, जबकि एनडीए गठबंधन ने 31 सीटें जीती थीं। हालांकि अगर 2019 के चुनावी नतीजों का जिक्र किया जाए तो 2014 की तुलना में भाजपा को 5 सीटों का नुकसान झेलना पड़ा था, मगर एनडीए गठबंधन ने बिहार की 40 में से 39 सीटों पर अपना कब्जा जमाया था। इस बार भाजपा के पास खुला मैदान था, जो नीतीश-लालू-कांग्रेस के साथ आमने सामने की लड़ाई लड़ती। मगर भाजपा को ये बात अच्छे से समझ आ रहा था कि अगर ऐसा होता है तो सबसे बड़ा नुकसान बिहार में झेलना पड़ सकता है। यहां जातीय समीकरण का बोलबाला है और लालू-नीतीश की जोड़ी को मात दे पाना शायद भाजपा के लिए मामूली बात नहीं होगी। इसीलिए बिहार में भाजपा इस कोशिश में लगी थी नीतीश कुमार को अपने साथ लाया जाए। हां, ये बात जरूर है कि नीतीश के इस कदम से भाजपा को बड़ा फायदा होगा, जिसका उदाहरण 2019 का चुनाव है। नीतीश और मोदी एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे, जिससे लालू की पार्टी को सबसे बड़ा झटका लगेगा और शून्य की चिंता सताएगी। आरजेडी नहीं चाहेगी कि उसे पिछली बार की तरह हार झेलनी पड़े। नीतीश के पलटी मारने से इंडिया गठबंधन का अस्तित्व भी खतरे में आ गया है। भाजपा को इस बात का एहसास था कि अगर नीतीश कुमार और लालू प्रसाद बिहार में एकसाथ चुनाव लड़ते हैं, तो साल 2015 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का असर 2024 के चुनाव में दिख सकता है। आपको याद दिला दें कि 2015 के नतीजों में आरजेडी को 80 सीटें, जदयू को 69 और भाजपा को सिर्फ 59 सीटें मिली थीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 22, लोक जनशक्ति पार्टी ने 6 और राष्ट्रीय लोक समता दल ने तीन सीटें जीती थी। ये तीनों दल एनडीए का हिस्सा थे। यूपीए में शामिल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने क्रमशः 4 और 2 सीटें जीती थीं। जनता दल यूनाइटेड ने दो सीटें जीती थीं। 2019 के आम चुनाव में एनडीए के बैनर तले बीजेपी, जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी ने चुनाव लड़ा और क्रमश 17, 16 और 06 सीटों पर विजय हासिल की। महागठबंधन में शामिल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी को मात्र एक सीट पर जीत मिली। वो एक सीट पर कांग्रेस ने जीती थी। आंकड़ों को देखकर समझा जा सकता है कि नीतीश की पार्टी जेडीयू के लिए 2019 में भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ना जीवनदान की तरह था। नीतीश कुमार ये समझते हैं कि भाजपा का साथ उनके लिए बेहद फायदेमंद है। शायद इसी लिए उन्हें विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल रहना रास नहीं आया। जो जेडीयू, कांग्रेस और आरजेडी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली थी, वो अब ये मुकाबला आमने-सामने लड़ेगी।

सन् 2024 के चुनाव से पहले बीजेपी बार-बार धोखा खाने के बावजूद नीतीश से हाथ मिला रही है। भाजपा इस बड़ी लड़ाई के लिए एक-एक सीट जीतना चाहती है। उधर, नीतीश को आखिरकार समझ आ गया है कि उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा पूरी नहीं होने वाली है। वे अब सम्मान के साथ राजनीति की नाव से उतरकर घाट पर आराम करने के मूड में हैं। सन् 2025 का विधानसभा चुनाव उनका अंतिम चुनाव है। शायद वे उसमें चेहरा ही न हों। वे चाहेंगे कि उनकी पार्टी तब तक अपना वजूद कायम रखे। यह सारी भाग-दौड़ और पलटीबाजी उसी के लिए है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के बाद बड़ी लहर बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं। नीतीश कुमार भी ये बखूबी समझते हैं कि ये ऐसा जनसमर्थन है जिससे कोई भी इंकार नहीं कर सकता है। वहीं, कपूर्री ठाकुर को सर्वोच्च सम्मान देकर भी बीजेपी ने ओबीसी वोट पर बड़ी चोट की है। मोदी सरकार के लिए ये बड़ा मील का पत्थर साबित हो सकता है। इसीलिए नीतीश भी मोदी की तारीफ में ना केवल कसीदे पढ़ते हैं, बल्कि परिवारवाद पर हमला भी करते नजर आते हैं।

छोटे-छोटे दलों के संपर्क में है बसपा, यूपी-उत्तराखंड को छोड़कर अन्य राज्यों में कर सकती है गठजोड़

अजय कुमार

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने एनडीए और इंडी गठबंधन से भले ही दूरी बना ली हो, लेकिन अपनी ताकत बढ़ाने के लिए उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को छोड़ दूसरे राज्यों के क्षेत्रीय दलों से गठबंधन कर लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावनाएं जरूर तलाश रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा जैसे राज्यों की पार्टियों से बसपा का गठबंधन तय माना जा रहा है। सीटों की संख्या तय होने के साथ ही गठबंधन की घोषणा कर दी जाएगी।

बसपा नेताओं के मुताबिक, हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), जबकि छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश में गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी (गोगपा) से गठबंधन की बात अंतिम दौर में है। गठबंधन कर बसपा हरियाणा की छह सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार सकती है। मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद इस संबंध में विभिन्न क्षेत्रीय दलों से बात कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मायावती ने आकाश को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड छोड़कर दूसरे राज्यों में बसपा की ताकत बढ़ाने का जिम्मा सौंप रखा है। बसपा के इस समय कुल 10 सांसद हैं जो सभी यूपी से चुनाव जीते हैं। अन्य राज्यों से बसपा का एक भी सांसद नहीं है।

बसपा सुप्रीमो मायावती में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव मायावती के हाल के कई बयानों से भी साफ जाहिर होता है। मायावती अब उन राजनीतिक नारों से पीछा छुड़ाती दिख रही हैं, जिनके सहारे वे उत्तर भारत में दलितों और अति पिछड़े वर्गों यानि बहुजन समाज की शीर्ष नेता और देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री भी बनीं। नब्बे के दशक में बसपा के चर्चित नारों से किनारा करते हुए अब मायावती कह रही हैं कि ये नारे तो समाजवादी पार्टी ने बसपा को बदनाम करने के लिए गढ़े थे। नारों की बात की जाये तो छह दिसंबर 1992 को बाबरी ढांचा ध्वंस के बाद 1993 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में मुलायम सिंह यादव की समाजवादी पार्टी और कांशीराम की बहुजन समाज पार्टी के बीच ऐतिहासिक गठबंधन हुआ था। इस दौरान एक नारा खूब चर्चित हुआ था, मिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम। इस नारे का जिक्र करते हुए कुछ समय पूर्व मायावती ने ट्वीट किया कि वास्तव में उत्तर प्रदेश के विकास और जनहित की बजाय जातिद्वेष एवं अनर्गल मुद्दों की राजनीति करना समाजवादी पार्टी का स्वभाव रहा है।

वह एक अन्य ट्वीट में कहती हैं कि अयोध्या, श्रीराम मंदिर और अपर कास्ट समाज आदि से संबंधित जिन नारों को प्रचारित किया गया था वे बसपा को बदनाम करने की सपा की सोची समझी साजिश थी। अतः सपा की ऐसी हरकतों से खासकर दलितों, अन्य पिछड़ों और मुस्लिम समाज को सावधान रहने की सख़्त जरूरत है। पुराने नारों से पीछा छुड़ाने की मायावती की यह कोशिश दिखाती है कि वे भविष्य में बीजेपी में तरफ जा सकती हैं। ठीक उसी तरह जैसा वे पहले कर चुकी हैं, लेकिन अब उनके मुंह से ह्यमनुवादीह्ण शब्द सुनने को नहीं मिलता जो पहले उनका प्रिय शब्द था। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि वे इस लाइन पर राजनीति करके अपनी पार्टी के लिए सफलता की उम्मीद कर रही हैं या उनके दिगाम में और कुछ चल रहा हैं। उधर, जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नजदीक आ रहे हैं, बसपा के नेताओं की बेचौनी बढ़ रही है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि उनकी पार्टी क्या करेगी और उन्हें क्या करना चाहिए। दरअसल, बसपा नेताओं, खासकर पार्टी के सांसदों की परेशानी विधानसभा चुनाव के समय से बढ़ी हुई है।

भाजपा से लड़ने के लिए एकत्रित हुए विपक्षी दल आपस में ही लड़ते नजर आ रहे हैं

सुरेश हिंदुस्तानी

आजकल वर्तमान केंद्र सरकार को सत्ताच्युत करने के सपने देखने की राजनीति गरम है। केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियाँ कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर निकल चुके हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है। क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं। इसी कारण आज क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा प्रभावशाली हैं। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे की तलाश है और कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है।

देश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह लगने लगा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः आसीन होने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि केंद्र की सरकार ने जो काम किए हैं उनके प्रति भारत की जनता का जुड़ाव दिखाई देता है। इसी कारण भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए जहां देश में विपक्ष के राजनीतिक दल एकता के लिए प्रयास करते दिखाई दे रहे थे, अब उन प्रयासों में बहुत बड़ा पेंच सामने आ गया है। यह पेंच इसलिए भी स्थापित हुआ है क्योंकि कांग्रेस को सारे क्षेत्रीय दल आंखें दिखाने की अवस्था में दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का अस्तित्व बचाने का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन सत्य यह भी है कांग्रेस वर्तमान में बहुत कमजोर हो गई है। इसलिए कांग्रेस को मन मुताबिक सीट देने को कोई भी दल तैयार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी स्थिति के अनुसार सीट देने को तैयार नहीं हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस को ज्यादा सीट देने के मूड में नहीं है। इंडी गठबंधन के लिए रही सही कसर पर नीतीश कुमार ने बिहार में कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद स्वाभाविक रूप से विपक्षी एकता के गठबंधन को बहुत बड़ा आघात लगा है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की एकता के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हुए थे, मगर कांग्रेस द्वारा महत्व नहीं दिए जाने के कारण नीतीश कुमार ने अपनी अलग राजनीतिक राह निर्मित कर ली। वर्तमान में राजनीति रूप से अस्तित्व बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे विपक्षी दलों के समक्ष एक बार फिर से अपनी एकता को बनाए रखने के लिए चुनौतियों का पहाड़ स्थापित होता दिखाई दे रहा है। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो आज के हालात को देखते हुए निश्चित ही यह कहा जा सकता है कि जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। विपक्ष के सारे दल किसी न किसी रूप में अपनी महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित कर रहे हैं। तू डाल डाल, मैं पात पात वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल अपनी पहचान बनाए रखने के लिए एक दूसरे को आंखें दिखा रहे हैं। इससे एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है कि कांग्रेस के नेतृत्व को कोई भी दल सर्वसम्मति से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन कांग्रेस का रवैया ऐसा दिखाई दे रहा है, जैसे उनका ही दल सब कुछ है। पश्चिम बंगाल और पंजाब की राजनीतिक स्वरों के निहितार्थ तलाशे जाएं तो यह कहने में कोई अतिरेक नहीं होगा कि कांग्रेस इन राज्यों में अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का आधार और प्रभाव है और वह किसी भी प्रकार से अपने प्रभाव को कमजोर करने का काम नहीं करेंगी, क्योंकि ममता के पास पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी राजनीतिक जमीन नहीं है। ऐसा ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जा सकता है। इन दोनों दलों का व्यापक प्रभाव इन्हीं राज्यों में है, जिसे वह खोना नहीं चाहते।

आज भले ही कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकता के प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब कांग्रेस द्वारा अन्य राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षाओं को स्वीकार किया जाए, लेकिन कांग्रेस के वर्तमान रवैए को देखते हुए ऐसा संभव नहीं लगता। एक समय गठबंधन के मुख्य सूत्रधार कहे जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा की तरफ कदम बढ़ाने की कवायद को विपक्षी एकता के लिए जबरदस्त आघात के रूप में ही देखा जा रहा है। ऐसा करने के पीछे अनुमान यही है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी स्वीकारोक्ति में वृद्धि की है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भले ही न्यायालय के आदेश पर हुआ हो, लेकिन इसके लिए भाजपा के योगदान को आज पूरा देश जानता है। आज बिहार की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह कहना ठीक ही होगा कि वहां भले ही राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल युनाइटेड के बीच बेमेल गठबंधन बनाकर सरकार का संचालन किया जा रहा था, लेकिन इन दोनों दलों के बीच विचारों की एकता नहीं थी। दोनों ही दल अपनी अपनी दाल पकाने में व्यस्त रहे। कहा तो यह भी जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव अपने पुत्र को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान करने की राजनीति करने लगे थे। इसी प्रकार की स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहां कांग्रेस की राजनीतिक जमीन शून्यता की ओर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी कांग्रेस को उतना महत्व नहीं देगी, जितना वह चाहती है। इस प्रकार की परिस्थिति के बीच कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य की तस्वीर में किस प्रकार से रंग भरेगी, यह फिलहाल टेढ़ी खीर ही कही जाएगी। कुल मिलाकर यही कहा जाएगा कि विपक्ष की एकता जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके समक्ष एक एक करके बड़े अवरोध भी स्थापित हो रहे हैं। इस अवरोधों का सामना करने की हिम्मत एकता से ही संभव हो सकती थी, जो फिलहाल असंभव-सा ही लग रहा है। ऐसा लगने लगा है विपक्षी एकता के प्रयास तार-तार हो रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस की एक बड़ी खामी यह भी है कि वह भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न जाने की आत्मघाती भूल कर चुकी है। भगवान राम से भारत की जनता का सीधा संबंध है, जिसे कोई भी राजनीतिक दल नकारने का साहस नहीं कर सकता। विपक्षी राजनीतिक दलों को भविष्य की राजनीति की ओर कदम बढ़ाना है तो उसे भारत की आस्था को सम्मान देना ही होगा, नहीं तो जो स्थिति पहले हुई, वैसी ही स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

बदमाशों ने गोली मारकर की सपा नेता की हत्या, परिजनों व ग्रामीणों ने किया हाइवे जाम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को अपरान्ह नंदगंज थाना क्षेत्र के कुसम्ही कला गांव के पास बदमाशों ने गोली मारकर सपा नेता की हत्या कर दी। घटना से अक्रोसित लोगों ने गाजीपुर-वाराणसी मार्ग को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जाम कर रहे लोगों को समझाने में जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार सपा नेता अमलधारी यादव बच्चों के स्कूल से फीस जमा कर लौट रहे थे। अतसुआ गांव निवासी अमलधारी यादव उम्र 40 वर्ष परिवार के साथ गाजीपुर शहर के भुतहियाटांड स्थित शिवपुरी कॉलोनी में किराए के मकान में रहते थे। आज सुबह वह बच्चों की फीस जमा करने के लिए सेंट जांस स्कूल गए थे। वहां से वह बुलेट से अतसुआ स्थित घर लौट रहे थे। कुसम्ही कला गांव के पुलिया के पास बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी. घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए. गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल अमलधारी यादव को उपचार के लिए न्यू पीएचसी लेकर आए। गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने सैदपुर सीएचसी रेफर कर दिया। हालत गंभीर होने पर सीएचसी के चिकित्सकों ने उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया। वाराणसी जाते समय औड़िहार में अमलधारी यादव की मौत हो गई। परिजन एवं ग्रामीण शव लेकर शादियाबाद पहुंचे और हाइवे पर जाम लगा दिया। पुलिस काफी समझाने के साथ शव को कब्जे में लेने का प्रयास करती रही, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद ग्रामीण करीब डेढ़ बजे शव लेकर रामपुर बंतरा तिराहे के पास पहुंचे और गाजीपुर-वाराणसी मार्ग पर जाम लगा दिया। आक्रोशित लोग तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ ही पुलिस अधिकारी पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों के शीघ्र गिरफ्तारी के आश्वासन पर करीब पौने चार बजे जाम समाप्त हुआ। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शहीद मंगल पांडे की 193वीं जयंती को मंगल महोत्सव के रूप में मनाया गया

दुबहर, बलिया। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक शहीद मंगल पांडेय के पैतृक गांव नगवा में उनकी 193वीं जयंती को मंगल महोत्सव के रूप में मनाया गया। इस मौके पर विभिन्न संस्थाओं ने समारोह आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद मंगल पांडेय इंटर कॉलेज नगवा में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बलिया के सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं उस धरती का नेतृत्व भारत की सदन में करता हूं जिस मिट्टी में मंगल पांडेय जैसे क्रांतिकारी पैदा हुए। उन्होंने शहीद मंगल पांडेय के नाम पर उनके पैतृक गांव में राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बनाने के लिए यहां के स्थानीय लोगों को पहल कर प्रस्ताव करने की अपील की। इस मौके पर इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत व देशभक्ति गीत एवं अन्य संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का विद्यालय के प्रबंधक डॉ बृकेश कुमार पाठक एवं प्रधानाचार्य रवि राय ने स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम से सम्मानित किया, वहीं मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय के उत्कृष्ट छात्राओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता एवं ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मृत्युंजय तिवारी"बबलू" ने सांसद से बलिया से विशेष ट्रेन की मांग मंगल पांडे के नाम से किए जाने की मांग रखी। इसके पूर्व इंटर कॉलेज के प्रांगण से विद्यालय के बच्चों की प्रभात फेरी निकाली गई। इस मौके पर मुख्य रूप से कन्हैया सिंह, श्याम सुंदर उपाध्याय, विजय बहादुर सिंह, चंद्रप्रकाश पाठक, गणेशजी सिंह, भरत पाठक, लालजी पाठक, आदित्य पाठक, राकेश यादव, संतोष यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भुवनेश्वर पासवान, परमात्मानंद यादव, सहित अनेकों लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में शहीद मंगल पांडे इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रवि राय एवं प्रबंधक डॉ बृजेश पाठक ने आए हुए आगंतु को के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन संजय पांडेय ने किया। वहीं शहीद मंगल पांडेय स्मारक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद वीरेंद्र सिंह 'मस्त' एवं पूर्व मंत्री सनातन पांडेय सहित अनेक नेताओं ने शहीद मंगल पांडेय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का बखान किया। मंगल पांडेय स्मारक समिति द्वारा क्षेत्र के सैकड़ों लोगों में कंबल आदि का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के आयोजक मंगल पांडेय स्मारक समिति के मंत्री ओमप्रकाश तिवारी ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के समाज कार्य विभाग में 31जनवरी बुधवार को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया` कार्यक्रम में महिला अध्ययन केंद्र की नोडल अधिकारी प्रोफेसर वंदना सिन्हा ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में अंतसंबंध बताते हुए हाथ स्वच्छ रखने तथा डायरिया के कारण एवं उपचार से संबंधित दो छोटे प्रयोग भी कराया। अगली कड़ी में प्रो. सिन्हा ने व्यक्तिगत तथा पर्यावरणीय स्वच्छता के विषय में भी जानकारी दी तथा इसके महत्व को बताया इसके पश्चात महिला अध्ययन केंद्र की सदस्या डॉ. भारती कुरील ने स्वच्छता का महत्व एवं समाज कार्य के व्यवहारिक कार्य से जोड़ते हुए उदाहरण दिया एवं छोटी कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया अंत में केंद्र की सदस्या प्रो.शैला परवीन ने स्वच्छता की आदत एवं स्वास्थ्य में स्वच्छता के महत्व पर चर्चा की अंत में छात्रों से स्वास्थ्य संबंधी स्लोगन लिखने की प्रतियोगिता कराई गयी जिसमे 74 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन एमएसडब्ल्यू के छात्र हर्ष ने किया कार्यक्रम में शोध छात्र वेद प्रकाश के साथ अन्य उपस्थित रहे।

जल समस्या की निकासी का जल्द ही होगा निदान

मिर्जापुर। नारायणपुर क्षेत्र के ग्राम सभा निजामुद्दीन पुर के गंगा कॉलोनी में स्थानीय लोगों द्वारा पानी सड़क पर खुलेआम बहाया जा रहा है। सड़क के किनारे जिनके मकान बने हुए हैं वह अपना वैकल्पिक व्यवस्था स्वयं नहीं बनाए हैं। जिस कारण वहां सड़क खराब स्थिति में और पानी का जमावड़ा बना हुआ है। वही ग्राम सभा के गंगा कॉलोनी में बह रहे पानी के निदान का जल्द से जल्द निवारण होगा ।यह जानकारी ग्राम प्रधान एकलाक अहमद ने दी है। ग्राम प्रधान ने बताया है उक्त विषयक से संबंधित कार्य योजना में है। विभागीय स्तर पर उच्च अधिकारियों के निर्देशन में जिस प्रकार से कार्य को किया जा पाएगा यथाशीघ्र संपन्न कर दिया जाएगा। हम गांव के सेवक हैं समस्याओं का निवारण और करना हमारा कर्तव्य भी है। जिसके लिए मुझे अपने स्तर से जो करना है वह कर रहा हूं। साथ ही आशा करता हूं कि ग्रामीण भी मेरा सहयोग करेंगे।

डीएम ने की सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा

बलिया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति व जिला विद्यालययान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय से संचालित वाहनों, विद्यालय में परिवहन सुरक्षा समिति के गठन कर बैठक कराने आदि के संबंध में पिछली बैठक की अनुपालन आख्या के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिया कि विद्यालयों से चलने वाले प्रत्येक वाहनों का फिटनेस टेस्ट, उन चालकों का ड्राइवरी लाइसेंस वेरीफिकेशन और विद्यालयों से चलने वाली वाहनों की सूची की रिपोर्ट सभी विद्यालयों के प्रबंधकों / प्रधानाचार्यो से अपने यहां उपलब्ध कराएं और मानक के अनुरूप फिटनेस टेस्ट पास न करने वाले वाहनों को निर्लाबित किया जाए और बिना ड्राइवरी लाइसेंस वाले वाहन चालकों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एआरटीओ से कहा कि मुख्य सचिव के निदेर्शानुसार सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जनजागरूकता अभियान बड़े स्तर पर आयोजित किया जाए। उन्होंने एआरटीओ और क्षेत्राधिकारी यातायात को समय-समय विद्यालय वाहन चालकों का आई और लिकर टेस्ट करने का निर्देश दिया। उन्होंने इसके लिए एआरटीओ परिसर में विशेष कैंप का आयोजन कर सभी विद्यालय वाहन चालकों के आई टेस्ट का परीक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही लिकर परीक्षण रिपोर्ट पॉजिटिव आने वाले चालकों पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने और उस स्कूल के प्रधानाचार्य/ प्रबंधक को अवगत कराने के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक को भी इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा के दौरान लोक निर्माण विभाग अधिशासी अभियंता ने बताया कि जिले की सड़कों पर सात ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए थे जिस पर टेबल टॉप एवं साइन बोर्ड लगाकर अल्पकालिक सुधार का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। लेकिन दीर्घकालिक सुधार कार्यों के लिए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, बलिया के द्वारा विद्युत पोलों के शिफ्टिंग का कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं किया गया है जिस कारण चौड़ीकरण का कार्य बाधित है, इस पर जिलाधिकारी ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिशासी अभियंता लिखत पढत में चिट्ठी जारी करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत तीन या तीन से अधिक मृत्यु वाली सड़क दुर्घटनाओं का विवरण क्षेत्राधिकारी यातायात से जाननी चाही तो उन्होंने बताया कि थाना गड़वार और बांसडीह में दुर्घटनाएं अधिक मिली हैं,इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को थानों का एनालिसिस कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के ट्रैक्टरों पर रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाने के कार्य में तेजी लाने एवं उन्होंने शहरी क्षेत्रों में वाहनों के विश्राम स्थल की निगरानी करने के निर्देश दिए।इस बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक रमेश सिंह और स्कूलों के प्रबंधक/प्रधानाचार्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई

बलिया। महात्मा गांधी विचार मंच के तत्वाधान में मंगलवार को शहीद पार्क चौक में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दीनाभाई ने कहा कि आज पूरे विश्व में अशांति का माहौल बना हुआ है।रूस, यूक्रेन या इजराइल, फिलिस्तीन जैसे युद्ध एक और विश्वयुद्ध की तरफ ले जा रहे है। ऐसे में गांधी जी का सत्य और अहिंसा का पाठ आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। आज पूरा विश्व गांधी जी के विचारों पर अमल करने के लिए मजबूर है। गांधी जी के जन्म दिन को " विश्व अहिंसा दिवस " के रूप में संयुक्त राष्ट्र 2007 द्वारा पास किए जाने के बाद आज पूरे विश्व में 2 अक्टूबर को मनाया जाता है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी लोग अपने बच्चों को महापुरुषों एवं शहीदों के इतिहास की बारें में पढ़ाए व जानकारी दें। इस अवसर पर डा० सुशील, रामनाथ सिंह,राहुल, सुवाष, चन्द्रशेखर, संजय, महेश, मु० रमजान, मु० मूसा, रमेश कुमार,राजेश कुमार, मुन्ना पाण्डेय, डा० सईद आदि लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी जाति, धर्म, मजहब की राजनीति नहीं करती : ओमप्रकाश पाण्डेय

बलिया। गांधी जी के निवारण दिवस पर मंगलवार को राहुल गांधी जी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में ओम प्रकाश पांडेय अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बलिया के नेतृत्व में न्याय यात्रा रथ गाजे बाजे के साथ कांग्रेस भवन से टाउन स्कूल चौराहा स्वतंत्रता सेनानी राम दहिन ओझा जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए पूरा कांग्रेस जत्था रेलवे क्रॉसिंग पार करके स्वतंत्रता सेनानी चितू पांडेय का माल्यार्पण करते हुए रेलवे स्टेशन होते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी गांधी पार्क चौक पहुंच कर माल्यार्पण किया एवं कांग्रेस भवन पर जनसभा की गई जिला ओम प्रकाश पांडेय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में बताया कि आज देश कठिन दौर से गुजर रहा है किसानो, महिलाओं, बेरोजगार नौजवानों, चिकित्सा स्वास्थ्य सड़क विकास सारे मामलों में भारत की मोदी सरकार एवं उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सारे बिंदुओं एवं बुनियादी सवालों पर फेल हो चुकी है आज संविधान खतरे में पड़ा हुआ है देश में आज वही लोग सरकार चला रहे हैं जिन लोगों ने अंग्रेजों के सामने जेल से माफी नामा लिखने का काम किया था और आजादी से अपने आप को अलग कर लिया था। कांग्रेस पार्टी जाति धर्म मजहब की राजनीति नहीं करती है। इन्हीं सवालों को लेकर आज राहुल गांधी सड़क पर न्याय यात्रा निकालकर देश की जनता की लड़ाई को अंतिम अंजाम तक पहुंचाना चाहते हैं ताकि देश में अमन शांति खुशहाली का वातावरण बन सके उत्तर प्रदेश में अध्यक्ष अजय राय भी संघर्ष के रास्ते पर चलकर यह संदेश देना चाहते हैं ना रुकेंगे ना झुकेंगे। जनता सब जान चुकी है। आज के इस न्याय यात्रा में शामिल होने वाले प्रमुख रूप से मदन यादव, मनीष उपाध्याय, शंकर शरण, विद्याशंकर पांडेय, हरकेंद्र सिंह, सुमंत मिश्रा, विनोद सिंह , राहुल चौबे जय प्रकाश पांडेय, अरविंद सिंह, बैजनाथ राम , अभिषेक पाठक, प्रदीप तिवारी, हृदयानंद पांडेय, दिनेश राजभर, प्रताप जायसवाल, अतिउल्लाह खान ,राशिद कमाल,ओम प्रकाश सिंह, भैया लल्लू सिंह, सुजीत पाठक, वीर बहादुर सिंह, धुरंधर पांडेय, प्रमोद वर्मा, धीरज सिंह मोनू पांडेय, राजेंद्र चौधरी, नन्हें मिश्रा, सुनील गौतम, ललन प्रसाद, सुनीता, शेषनाथ, कौशल तिवारी, परशुराम, दीपक तिवारी, विश्वकर्मा यादव, दिलीप मिश्रा, सनी मिश्रा, दीपक यादव ,रोहित यादव, अफजाल अंसारी, प्रिंस दीक्षित मंटू कुमार, सुजीत पाठक आदि सैकड़ों कांग्रेस जन न्याय पदयात्रा में शामिल हुए।

प्रभु से बैर रखने वाले को तीनों लोको में कोई नहीं बचा सकता है : राजन जी महाराज

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। वाराणसी आजमगढ़ हाईवे मार्ग पर महावीर मन्दिर के पास मंगलवार को कथा के आठवें दिन कथा वाचक श्री राजन महाराज जी अपने भक्तों को बताया कि प्रभु भगवान भोलेनाथ माता पार्वती जी को श्री राम कथा के आगे की वाक्यांश बताते हुये बताया कि भरत मिलाप मिलन से लेकर कौवा बना जयंत को तिनके से ब्रह्मास्त्र का बाण छोड़कर दंडित किया वही महाराज ने बताया कि प्रभु से बैर रखने वाले को तीनों लोको में कोई नहीं बचा सकता है साथ ही सुपुनखा का नक्टैया खरदूषण वध वर्णन करते हुए सीता हरण के कथा को बताया हरण के समय गिद्धराज जटायू रावण से आकाश मार्ग में लड़ते समय पंख कट जाने से गिर गए थे ` भगवान राम से मिले भगवान ने

उनको सदगति प्राप्त कराई वही सेवरी के आश्रम में पहुंचकर सेवरी के रखे बेर का भोग लगाया भोग लगाने के बाद सेवरी ने मां जानकी का पता पंपापुर पहाड़ पर सुग्रीव उसके यहां मिलने को बताया साथ ही सेवरी भगवान प्रभु राम के दर्शन के बाद शरीर का त्याग कर दिया और बैकुंठ को चली गई महाराज ने बताया कि भक्ति के 9 मार्ग प्रथम भक्ति सत्संग दूसरी भक्ति कथा प्रसंग क्रोमोजोम नौ प्रकार की भक्ति करने से मनुष्य का उद्धार हो जाता है` इस मौके पर भाजपा विधायक सैयद राजा श्री सुशील सिंह, रोहनिया विधायक सुनील पटेल, आशीष सिंह रोशन, श्रवण मिश्रा, अर्चना मिश्रा, प्रेम यादव, प्रियंका यादव, प्रिंस चौबे, आदि लोगो के साथ साथ हजारो भक्त गण मौजूद रहते हुये श्री राम कथा का भरपूर आनंद उठाया।

भाजपा सरकार पिछड़ों के हक और अधिकार पर डाका डाल रही है : गोपाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर दिनांक 26 जनवरी से चल रहे पीडीए पखवाड़े के तहत सदर विधानसभा के तहत गोला और नैसारे गांव और जखनियां विधानसभा के गौरा खास, गोरारी और भरतपुर तथा जहूराबाद विधानसभा के सिंगेरा और गांई गांव में जनपंचायत का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने भाजपा सरकार को सामाजिक न्याय विरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार पिछड़ों के हक और अधिकार पर डाका डाल रही है। उन्होंने कहा कि यह देश गंभीर राजनीतिक संकट के दौर से गुजर रहा है। देश के हुक्मरानों को लोकतंत्र पसन्द नहीं है। वह पूरी तरह से तानाशाही के रास्ते पर उतरकर सम्पूर्ण विपक्ष को कुचलना चाहते हैं। उनकी इस नापाक इरादों के खिलाफ जमकर संघर्ष करना होगा अन्यथा न इस देश में लोकतंत्र बचेगा,न संविधान और न ही इस देश का धर्म निरपेक्ष स्वरुप। कहा कि लोकतंत्र के जिस रास्ते से आकर भाजपा आज देश पर हुकूमत कर रही है वह रास्ता दूसरों के लिए बंद कर देना चाहती है। जिस तरह से सत्ता में बैठे लोग

विरोधी दलों के नेताओं के साथ बदले की भावना से काम कर रहे हैं, उन्हें जेलों में डाल रहे हैं उनकी यह नापाक हरकत और अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली आपात काल की याद दिला रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और उसकी साम्प्रदायिक सोच और लगातार हो रहे आर्थिक घोटालों के चलते देशवासी खुन के आंसू रो रहे हैं। लेकिन यह सरकार जनता के बुनियादी सवालों पर न काम कर केवल फर्जी तौर पर जुवांन चला रही है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान करते हुए कहा कि घरों में बैठने से काम नहीं चलेगा बल्कि लोहिया, जयप्रकाश और मुलायम सिंह जी के रास्ते पर चलकर जनता के हक हकूक और इस देश के संविधान, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और गरीबों को मिलने वाले सामाजिक न्याय की रक्षा कराने के लिए सड़कों को गर्म कर इस देश की सत्ता से भाजपा की तानाशाही हुकूमत को हटाना होगा। करते हुए कहा आज भाजपा सरकार पिछड़ों के हक पर डाका डालने का काम कर रही है। इन जनपंचायतों में मुख्य रूप से तहसीन अहमद, पुर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, महेंद्र चौहान, हिंद यादव, राजीव यादव, अवधेश यादव, राम जन्म चौहान, अंजनी कुमार गौरव आदि शामिल रहे।

हरियाणा के गुरुग्राम में बलिया के मजदूर की मौत,शव गांव पहुंचने पर मचा कोहराम

गड़वार (बलिया)। हरियाणा के गुरुग्राम में रविवार को सुखपुरा थाना क्षेत्र के बरवां गांव निवासी मजदूर की सड़क हादसे में मौत हो गई। जिनका पार्थिव शरीर मंगलवार की अहले सुबह एंबुलेंस से गांव लाया गया। शव आने के बाद स्वजन के चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। मौत की खबर के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक पंचानंद चौहान (28) की पत्नी सुनीता का रो रोकर बुरा हाल है। मृतक की चार वर्ष पूर्व विवाह हुआ था। पंचानंद का तीन वर्षीय एक पुत्र है जबकि पत्नी गर्भवती है। जानकारी के अनुसार सुखपुरा थाना क्षेत्र के बरवां गांव निवासी पंचानंद चौहान (28 वर्ष) पुत्र हरखनाथ चौहान हरियाणा के गुरुग्राम में भवन निर्माण कार्य में दैनिक मजदूरी का काम करता था। भवन निर्माण का काम करने के लिए पैदल जा रहा था। रविवार को अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। ट्रैफिक पुलिस एवं आसपास के लोगों ने उसे निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

वन विभाग की टीम ने कटी हुई लकड़ी से भरे पिक अप को लिया कब्जे में

प्रखर ब्यूरो बिरनो/गाजीपुर। एक सप्ताह पुर्व ही सागौन के पेड़ का बिना परमिशन कटाई करने में वन विभाग द्वारा एक पर मुकदमा दर्ज कराया गया था लेकीन हरियाली के दुश्मनों ने एक बार फिर से हरे पेड़ों पर कुल्हाड़ी चला दी। हरे पेड़ों की कटाई का सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने कटी हुई लकड़ी से भरे पिक अप को कब्जे में ले लिया। पेड़ों का कटान करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही की प्रक्रिया को करते हुए और मय लकड़ी के साथ पिक अप को सीज करने की प्रक्रिया में जुट गई। बिरनो क्षेत्र के बिठौरा गांव में वन विभाग की टीम ने आज दोपहर में ठेकेदार के द्वारा कराए जा रहे रहे आम के पेड़ की कटाई की मुखबिर द्वारा सूचना पर तभी मुखबिर की सूचना पर बिट प्रभारी और वनरक्षक सुनील कुमार मौके पर पहुंचे लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय ग्रामीण और ठेकेदार ने कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर हंगामा करते हुए विरोध करने लगे। इसके बाद वनरक्षक सुनील कुमार ने इस घटनाक्रम की सूचना क्षेत्र प्रभारी एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी मरदह विशाल गुप्ता को दिया। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी विशाल गुप्ता मय फोर्स के साथ घटनास्थल पर

पहुंचे और विरोध कर रहे ग्रामीणों को खदेड़ते हुए आम की लकड़ी से लदे पीक अप को अपने कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गए। इस संबंध में सेक्सन प्रभारी और क्षेत्रीय वन अधिकारी विशाल गुप्ता ने बताया कि एक पिकअप पर लदा हुआ आम की लकड़ी के साथ पिकअप को कब्जे में लेते हुए सीज करने की कार्यवाही की गई है। संबंधितों पर भी कार्यवाही करने की प्रक्रिया चल रही है।

लोक चेतना समिति व संगठन के सहयोग से महात्मा गांधी शहादत दिवस पर गांधी जी के सत्य और न्याय का मार्ग पर संगोष्ठी का आयोजन

प्रखर दानगंज वाराणसी। ग्राम पंचायत गौरा उपरवार, गरथोली, रामपुर खुटहाँ, भदवा, रसड़ा, रजला में लोक चेतना समिति व संगठन के सहयोग से महात्मा गांधी शहादत दिवस पर विषय गांधी जी के सत्य और न्याय का मार्ग पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।महात्मा गाँधी को माल्यार्पण करके सभी ने मौन धारण कीया इसके पश्चात वक्ताओं द्वारा बताया गया कि आज गांधी जी की पुण्यतिथि है । जिसे हम लोग शहादत दिवस के रूप में मना रहे हैं । राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी बिहार के चम्पारण जिले में गरीब किसानों के हक के लिए चंपारण आंदोलन किये तथा गुजरात के खेड़ा में बाढ़ व सूखे से त्रस्त गरीबों के कर माफी एवं बंदीयों को मुक्त कराने हेतु खेड़ा सत्याग्रह किये व खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, दलित आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन आदि के बारे में विस्तारपूर्वक

चर्चा किया गया और महात्मा गांधी जी ने न केवल भारत को बल्कि पूरी दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया इसलिए उन्हें बापू की उपाधि से नवाजा गया। महात्मा गांधी को याद करना यानि अहिंसा के विचारों को अंगीकार करना है । बापू का शरीर तो संसार में नहीं है लेकिन उनके विचारों ने पूरे विश्व को सोचने के लिए मजबूर कर दिया । गांधी जी के अनुसार सत्य एक आदर्श है जिसे जीवन के हर पहलू में अपनाया जाना चाहिए । सत्य का अर्थ ईमानदारी, न्याय, और निष्पक्षता से है । गांधी जी मानते थे कि सत्य ही एकमात्र आधार है जिस पर कोई भी मजबूत समाज खड़ा हो सकता है क्या हिंसा का रास्ता दुनिया की सारी समस्याओं का समाधान है ।सभी राजनीतिक पार्टियां कहती हैं गांधी जी के विचारों को हम आगे बढ़ा रहे हैं आप सभी लोग देख रहे हैं। आज भी लोग असत्य व जुल्म का अनुभव कर रहे हैं। देश में तानाशाह चल रहा है। गांधी जी लोकतंत्र में ग्राम स्वराज की कल्पना किये थे लेकिन आज संसद में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है किसी भी विषय पर चर्चा नहीं हो रहा है। धार्मिक भेदभाव हो रहा है गरीबी, भ्रष्टाचार का बोलबाला है जिसके लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा एवं सत्य एवं अहिंसा का मार्ग अपनाकर कार्य करना होगा तभी देश का विकास हो सकेगा। कार्यक्रम में वक्ता बच्चन यादव, पूनम जी, सूबेदार जी, झूला, माला, वंदना यादव, निशा, सुधा व दर्जनों महिलाओं की भागीदारी रही।

रोटरी क्लब ने जरूरतमंदो को दिया कंबल एवं ऊनी वस्त्र

बलिया। जनपद नगर स्थित आर्यन होटल के समीप रोटरी क्लब के द्वारा कैंप लगाकर जरूरतमंदो को ऊनी कपड़ों के साथ कंबल वितरण किया गया । कैंप का शुभारंभ रोटेरियन क्लब के वरिष्ठ सदस्य ताहिर सिद्दीकी के द्वारा फीता काटकर किया गया । इस दौरान क्लब के

अध्यक्ष अनिल कुमार साहू एवं सचिव शिखर सहगल ने सैकड़ो की संख्या में गरीब असहाय महिलाओं, बच्चो और बुजुर्गो को कंबल एवं ऊनी वस्त्र दिया । बता दे की बीते कई वर्षों से लगातार रोटेरियन क्लब के द्वारा समय समय पर गरीब असहाय लोगो को उनके जरूरत के हिसाब से मदद करते आ रहे है । ठंड के प्रकोप को देखते हुए एक सौ पचास कंबल एवं सैकड़ो ऊनी कपड़े वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से रोटेरियन अमिताभ शंकर श्रीवास्तव, रोटेरियन अजीत कुमार, रोटेरियन मोहम्मद तारीख, के साथ अन्य रोटरी क्लब के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

अफगान सैनिकों के शरण आवेदनों की समीक्षा करेगा ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन के अधिकारियों ने अफगानिस्तान में ब्रिटिश सेना के साथ काम करने वाले लगभग 400 अफगान विशेष बल के सैनिकों के शरण आवेदनों की समीक्षा करने का फैसला किया है। तालिबान ने कथित तौर पर ब्रिटिश बलों के साथ संबंधों के कारण अफगान सैनिकों पर अत्याचार किया और उनकी हत्या कर दी। ब्रिटिश अधिकारियों ने अफगान सैनिकों के प्रवेश के आवेदन को खारिज कर दिया। लंदन ने ब्रिटिश सैनिकों की गवाही और ब्रिटिश द्वारा जारी प्रमाण पत्र और वेतन पर्चियों की उपस्थिति को नजरअंदाज कर दिया।

जापान : नाव पलटने से तीन लोगों की मौत

तोक्यो। जापान के शिगा प्रांत में झील में मछली पकड़ने वाली नाव के पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शिगा प्रांतीय पुलिस को मछुआरे ने बताया कि बिवा झील में उसने एक नाव को पलटी हुई हालत में देखा है। जिसके बाद अग्निशमन विभाग सहित स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और झील में तैर रहे तीन मृतकों के शवों को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबक तीनों पीड़ितों की आयु लगभग 50 वर्ष के करीब रही होगी, जिन्होंने लाइफ जैकेट पहन रखी थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तीनों सोमवार शाम को बिवा झील में मछली पकड़ने के लिए गए थे जिसके बाद तीनों घर नहीं लौटे थे।

संस्कृति मंत्रालय की झांकी को प्रथम पुरस्कार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में शामिल संस्कृति मंत्रालय की झांकी को इस वर्ष प्रथम पुरस्कार मिला है। परेड में शामिल अनेक झांकियों को लालकिला मैदान में आयोजित भारत पर्व में भी प्रदर्शित किया गया है। उत्तराखंड की झांकी विकसित उत्तराखंड को प्रदर्शित करने के साथ-साथ उत्तराखंड की कलाओं व संस्कृति को भी प्रदर्शित किया गया। गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल संस्कृति मंत्रालय की झांकी में परंपरा और नवीनता का अद्भुत मिश्रण होने के साथ साथ झांकी में भारत की सांस्कृतिक विरासत व एनामॉर्फिक तकनीक से संस्कृति की गतिशीला को प्रदर्शित किया गया था। परेड में उत्तराखण्ड राज्य की झांकी 'विकसित उत्तराखण्ड' को भी पसंद किया गया।

पाक : सैन्य अभियान में आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान कुख्यात आतंकवादी को मार गिराया है। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा, 'इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सोमवार को प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में ऑपरेशन चलाया गया।' बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन के दौरान सैनिकों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। जिसमें एक आतंकवादी मारा गया।
आईएसपीआर ने कहा कि मारा गया आतंकवादी निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाकर उनकी हत्या सहित कई आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त था।

कठोर सर्दियों की अवधि 'चिल्लई-कलां' समाप्त

श्रीनगर(भाषा)। जम्मू कश्मीर में भीषण ठंड की 40 दिन की अवधि 'चिल्लई कलां' मंगलवार को समाप्त हो गई। इस वर्ष 'चिल्लई कलां' के दौरान कश्मीर के मैदानी इलाकों में बिलकुल बर्फबारी नही हुई जबकि ऊपरी क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 40 दिनों की इस कठोर सर्दी वाली अवधि के आखिरी दिनों में घाटी के ऊपरी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई थी। इस अवधि में घाटी में सर्वाधिक बर्फबारी होने की संभावना रहती है। इस दौरान घाटी में लंबे समय तक शुष्क मौसम बना रहा और मैदानी इलाकों में बर्फबारी नही हुई।

■ घाटी के मैदानी इलाकों में बिल्कुल बर्फबारी नहीं हुई जबकि ऊपरी क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश दर्ज

'चिल्लई कलां' में घाटी में भयंकर शीत लहर का प्रकोप रहता है और तापमान जमाव बिदु तक नीचे चला जाता है, जिससे जलाशयों के साथ-साथ पाइपों में भी पानी जम जाता है। 'चिल्लई खुर्द' जिसकी अवधि 20 दिन होती है और 10 दिन की 'चिल्लई बच्चां' के साथ 'चिल्लई कलां' की समाप्ति के बाद भी कश्मीर में ठंड की स्थिति जारी है। इस बीच जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 0.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पिछली रात के 3.6 डिग्री सेल्सियस से कम है। पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस नीचे, काजीगुंड में 0.4 डिग्री सेल्सियस, कोकेरनाग में 0.7 डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा में 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से छह डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया और यह घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा। मौसम विज्ञानियों ने मंगलवार दोपहर से एक फरवरी तक केंद्र शासित प्रदेश में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। कुपवाड़ा, बांदीपोरा, बारामूला, गांदरबल, शोपियां, कुलगाम में कुछ ऊपरी इलाकों में भारी बर्फबारी की संभावना है। क्षेत्र में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा और दो फरवरी को कुछ ऊपरी इलाकों में बहुत हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। तीन से चार फरवरी तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है, जिसके बाद 10 फरवरी तक मौसम शुष्क रहेगा।

ह्यूस्टन के आसमान में लहराया 'जय श्री राम' का बैनर

ह्यूस्टन (भाषा)। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के एक सप्ताह के बाद भी भारतीय अमेरिकियों के बीच उत्साह का माहौल है।

अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में हवाई जहाज से एक बैनर लहराया गया जिस पर लिखा था, 'यूनिवर्स चैट्स जय श्री राम' यानी ब्रह्मांड में गूंज रहा जय श्री राम का मंत्र। ह्यूस्टन में पिछले दिनों कंपकंपाती सर्दी और बारिश के बाद परंपरागत भारतीय परिधान पहने भारतवंशी लोग रविवार को गुजरात समाज और अन्य स्थानों पर जमा हुए। वे भगवा झंडे हाथ में लिए हुए 'जय श्री राम' के नारे लगा रहे थे। जिस विमान पर यह बैनर लहराया गया, उसके पायलट का भी 'जय श्री राम' के नारे लगाकर अभिनंदन किया गया। आयोजकों ने रविवार को दोपहर 1 से 3 बजे के बीच पूरे ह्यूस्टन में अपनी तरह के पहले हवाई बैनर के बारे में प्रचार किया।

भारतीय मूल के लोग आसमान में निहारते रहे। इसके लिए प्रचार करने वाले फ्लायर पर लिखा था, 'आसमान पर नजर रखें और जब आप अपने इलाके में विमान को देखें तो जय श्री राम के नारे लगाएं।' इस शो के आयोजक उमंग मेहता ने कहा, ' पांच सौ साल के संघर्ष के बाद श्री राम मंदिर के उद्घाटन का उत्सव मनाने के लिए इस कार्यक्रम की कल्पना की गई और इस तरह का संदेश दिया गया जो हिदुओं के बीच गूंजता रहे।'

UGC ने वेबसाइट से 'अनारक्षण' मसौदा दिशानिर्देश हटाए

नई दिल्ली (भाषा)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट से उस मसौदा दिशानिर्देश को हटा दिया, जिसमें एससी, एसटी और ओबीसी श्रेणियों के पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नही होने पर आरक्षित पदों के 'अनारक्षण' का सुझाव दिया गया था। आयोग के अध्यक्ष एम. जगदीश कुमार ने हालांकि कहा, 'दिशानिर्देशों को वेबसाइट से हटा दिया गया है क्योंकि हितधारकों के लिए अपनी प्रतिक्रिया देने की समय अवधि समाप्त हो गई है।' यूजीसी के मसौदा दिशानिर्देशों पर विवाद खड़ा हो गया जिसमें कहा गया है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) उम्मीदवारों के लिए आरक्षित किसी भी रिक्ति को 'अनारक्षित' घोषित किया जा सकता है, अगर इन श्रेणियों के पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नही है। कांग्रेस ने इसे आरक्षण खत्म करने की साजिश करार दिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया कि एक भी पद अनारक्षित नही किया जाएगा।

ईरान से एक और युद्ध नहीं चाहता अमेरिका

वॉशिंगटन(भाषा)। जॉर्डन में हुए ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने कहा कि अमेरिका एक और युद्ध या तनाव को बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन क्षेत्र में अपनी रक्षा के लिए उसे जो भी करने की आवश्यकता होगी, वह निश्चित रूप से वह सब करेगा।

■ ईरान समर्थित समूह के ड्रोन हमले को लेकर व्हाइट हाउस ने कहा

व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा कि हमले में 30 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल भी हुए है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा, 'ये सैनिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मिशन का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य आईएस का मुकाबला करने के लिए साझेदारों के साथ काम करना है। रक्षा विभाग हमले के बारे में अधिक जानकारी एकत्र कर रहा है। यह मिशन जारी रहना चाहिए और यह जारी रहेगा।' किर्बी ने कहा, 'हम एक और युद्ध नही चाहते। हम तनाव बढ़ाना नहीं चाहते लेकिन क्षेत्र में अपनी रक्षा के लिए, इस मिशन को जारी रखने के लिए और इन हमलों का उचित जवाब देने के लिए जो भी करने की आवश्यकता होगी, हम निश्चित रूप से वह सब करेंगे।' उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ दो बार बैठक कर चुके है और विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे है। बाइडन ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। बाइडन ने कहा था कि अमेरिका 'अपने चुने गए समय और तरीके से उन सभी को जवाबदेह ठहराएगा जो इस हमले के लिए जिम्मेदार है।'

चीन का बढ़ता प्रभाव कूटनीतिक विफलता नहीं

मुंबई (भाषा)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि यह स्वीकार करना जरूरी है कि चीन पड़ोसी देशों को प्रभावित करेगा और भारत को ऐसी प्रतिस्पर्धी राजनीति से नहीं डरना चाहिए। भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई में छात्रों के साथ संवाद सत्र में मालदीव से तनावपूर्ण संबंधों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हर पड़ोसी देश में समस्याएं है, लेकिन अंततः 'पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है।'

जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा है, लेकिन इसे भारतीय कूटनीति की विफलता कहना गलत होगा। उन्होंने कहा, हमें समझना चाहिए, चीन भी पड़ोसी देश है और कई मायनों में, प्रतिस्पर्धी राजनीति के तहत इन देशों को प्रभावित करेगा। मुझे नहीं लगता कि हमें चीन से डरना चाहिए। मुझे लगता है कि हमें यह मानना चाहिए वैश्विक राजनीति प्रतिस्पर्धी है। आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, मै अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। जयशंकर ने कहा कि प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के नाते, चीन संसाधनों का इस्तेमाल करके चीजों को अपने तरीके से आकार देने की कोशिश करेगा। मालदीव में 'इंडिया आउट' अभियान के बारे में एक सवाल पर जयशंकर ने भारतीय कूटनीति पर भरोसा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'हर देश के पड़ोस में समस्याएं है। समस्याएं तो होंगी। हमारा काम अनुमान लगाना, आकलन करना और प्रतिक्रिया देना है। अंत में पड़ोसियों के एक-दूसरे के साथ संबंध रहते है।' उन्होंने बताया कि राजनीति में तीखे रुख अपनाए जाते है और कूटनीति हमेशा उन तीखे रुख से नहीं चलती।

■ विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा-भारत को प्रतिस्पर्धा से डरने की जरूरत नहीं

भारत बड़ी ताकत, जरूरी है कि वह मुश्किल में मदद के लिए आगे आए

मुंबई (भाषा)। लाल सागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना द्वारा युद्धपोतों की तैनाती के संदर्भ में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत की क्षमता, उसके अपने हित और प्रतिष्ठा के लिए जरूरी है कि वह कठिन परिस्थितियों में मदद के लिए आगे आए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि भारतीय नौसेना ने लाल सागर क्षेत्र में अपने 10 पोत तैनात किए है। उन्होंने कहा-भारत की क्षमता, हमारे अपने हित और हमारी प्रतिष्ठा के लिए आज यह जरूरी है कि हम मुश्किल घड़ी में मदद करें। जयशंकर ने कहा, लाल सागर क्षेत्र में समुद्री डकैती के साथ-साथ मर्चेंट नेवी के पोतों पर ड्रोन हमलों की भी समस्या है। हमें जिम्मेदार देश नही माना जाएगा, यदि हमारे पड़ोस में कुछ ठीक है और हम कहें कि हमारा इनसे कोई लेना-देना नही। जब आप मुसीबत में होंगे तो पड़ोसी देश भी ऐसे ही कहेंगे। पिछले 10 साल में भारत ने बहुत मजबूत विमर्श विकसित किया है और उन्होंने लाल सागर क्षेत्र में नौसैन्य तैनाती की ओर इशारा किया। इस संदर्भ में, उन्होंने तुर्की में आए भूकंप के बाद भारत की प्रतिक्रिया और कोविड के दौरान टीके उपलब्ध कराने सहित अन्य देशों को दी गई सहायता का भी उल्लेख किया।

भारतीय नौसेना ने 19 पाकिस्तानियों को बचाया

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय युद्धपोत 'आईएनएस सुमित्रा' ने सोमालिया के पूर्वी तट पर ईरानी झंडा लगे जहाज पर समुद्री दस्युओं के हमले के बाद चालक दल के 19 पाकिस्तानी सदस्यों को बचाया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'आईएनएस सुमित्रा' को अदन की खाड़ी और सोमालिया के पूर्व में समुद्री दस्यु रोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात किया गया है।

जहाज ने मछली पकड़ने वाले ईरानी जहाज 'इमान' पर सोमवार को समुद्री डकैती का प्रयास विफल कर दिया था। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा कि सोमालिया के पूर्वी तट पर समुद्री दस्यु रोधी एक और सफल अभियान में 'आईएनएस सुमित्रा' ने मछली पकड़ने वाली नौका अल नईमी और उसके चालक दल के 19 सदस्यों को 11 सोमाली समुद्री दस्युओं से बचाया। मधवाल ने कहा, 'आईएनएस सुमित्रा ने कोच्चि से 850 समुद्री मील पश्चिम में दक्षिणी अरब सागर में 36 चालक दल (17 ईरानी और 19 पाकिस्तानी) के साथ अपहृत मछली पकड़ने वाले दो जहाजों को 36 घंटे से भी कम समय में त्वरित, निरंतर और अथक प्रयासों से बचाया है।'

इस्त्राइली सेना ने खान यूनिस में 2 हजार लड़ाकों को मार गिराया

यरुशलम(वार्ता)। इस्त्राइली सेना ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में अपने अभियान के दौरान 2 हजार से अधिक फिलिस्तीनी लड़ाकों को मार गिराया है। इस्त्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने यह जानकारी दी है।
हगारी ने कहा, 'हाल के सप्ताहों में आईडीएफ के जवान हमास बटालियनों के सैन्य ढांचे को नष्ट करने का काम कर रहे है। हमने पहले ही पूर्वी खान यूनिस में हमास के दो बटालियनों को नष्ट कर दिया है और अब हम पश्चिम की ओर बढ़कर इस काम को अंजाम दे रहे है। अभियान में कई कमांडरों को मार गिराया है और कई भाग गए है, कुछ ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने कहा कि पूरे खान यूनिस में हमने 2 हजार से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। इस्त्राइली सेना का दावा है कि गाजा पट्टी तीन महीनों में लगभग 9 हजार हमास के लड़ाकों का सफाया किया जा चुका है। अनुमान है कि हमास सैनिकों की कुल संख्या 30 हजार से 40 हजार के बीच है।

आईडीएफ ने हमास प्रमुख के कार्यालय पर मारा छापा

तेल अवीव (आईएएनएस)। इस्त्राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस इलाके में हमास के शीर्ष नेता याह्या सिनवार के कार्यालय पर छापा मारा है। इससे पहले इस्त्राइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि सेना याहया सिनवार के ठिकाने का पता लगाएगी और उसे मार डालेगी। सेना ने यह भी कहा कि खान यूनिस क्षेत्र में कई आतंकी बुनियादी ढांचे पर छापे मारे गए, इसमें प्रतिबंधित आतंकी संगठन हमास का खुफिया नेटवर्क भी शामिल है। आईडीएफ ने कहा कि छापे एक कार्यालय में मारे गए, जो हमास के खुफिया कार्यालय के रूप में कार्य करता था। इस्त्राइल हमेशा से यह कहता रहा है कि हमास नेता, याह्या सिनवार और मोहम्मद डेफ़ 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

हिमाचल की रास सीट से सोनिया या प्रिंयका को चुना जा सकता है : प्रतिभा

शिमला (भाषा)। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस इकाई की प्रमुख प्रतिभा सिंह ने मंगलवार को कहा कि दो अप्रैल को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के छह साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद खाली हो रहे प्रदेश की राज्यसभा सीट से कांग्रेस नेता सोनिया गांधी या प्रियंका वाड्रा को चुना जा सकता है। सिंह ने राज्य से नाम भेजने के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम इस मामले पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा के साथ चर्चा करेंगे और यदि वे इच्छुक है तो इस सीट से उन्हें चुना जा सकता है।

■ राज्यसभा की यह सीट दो अप्रैल को नड्डा के छह साल के कार्यकाल की समाप्ति के बाद खाली हो रही है

सोनिया गांधी ने 2019 के आम चुनाव में रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था जबकि प्रियंका वाड्रा न तो लोकसभा से सांसद है और न ही राज्यसभा की सदस्य। सिंह ने महात्मा गांधी की 76वी पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में कहा, अगर वे चाहें तो सोनिया गांधी या प्रियंका वाड्रा का नाम पर विचार किया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश की एक सीट सहित राज्यसभा की 56 सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद कांग्रेस पार्टी ने (प्रत्याशी की) तलाश शुरू कर दी है। कांग्रेस के पास 68 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 40 सीट है। राज्यसभा की यह सीट दो अप्रैल को नड्डा के छह साल के कार्यकाल की समाप्ति के बाद खाली हो रही है जो राज्य में भाजपा की सत्ता में वापसी के बाद 2018 में चुने गए थे। राज्य में इस एकमात्र सीट के लिए मतदान अगले महीने राज्य विधानसभा के बजट सत्र (14 से 29 फरवरी) के दौरान होगा और कांग्रेस उम्मीदवार की जीत तय है। फिलहाल राज्य की तीनों राज्यसभा सीट भाजपा के पास है। नड्डा के अलावा, राज्य से दो अन्य राज्यसभा सदस्य इंदु गोस्वामी और सिकंदर कुमार है।

राजस्थान PFI षड्यंत्र में तीन पर आरोप-पत्र दायर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और 2047 तक भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने को उन्हें लड़ने के लिए हथियारों का प्रशिक्षण देने से संबंधित मामले में प्रतिबंधित पीएफआई के तीन कार्यकर्ताओं के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर रोकथाम की कार्रवाई करते हुए राजस्थान पीएफआई षड्यंत्र मामले में वाजिल अली, मुबारक अली और शमशेर खान के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया गया है। इससे पहले एनआईए ने तीन अन्य आरोपियों आसिफ, सादिक सर्राफ और मोहम्मद सोहेल के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया था। मामला मुस्लिम युवकों को कट्टर बनाने, उन्हें भारत सरकार के खिलाफ तथा इस्लाम के पीएफआई के संस्करण का समर्थन नही करने वालों के खिलाफ लड़ने के वास्ते प्रशिक्षण के लिए हथियार मुहैया कराने से संबंधित है। एनआईए के अनुसार वाजिद अली, मुबारक अली और शमशेर खान ने अन्य सह-अभियुक्तों के साथ मिलकर भोले-भाले मुसलमानों को हिसक कृत्य करने के लिए हथियार संभालने और उपयोग करने का प्रशिक्षण देने की साजिश रची थी।

बलूचिस्तान की जेल पर आंतकी हमला, पांच आतंकवादी ढेर

कराची (भाषा)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत की माच जेल पर आतंकियों ने रॉकेट और अत्याधुनिक हथियारों से हमला कर दिया, लेकिन सुरक्षा बलों ने एक के बाद एक हुए तीन हमलों को विफल कर दिया। इस कार्रवाई में प्रतिबंधित समूह के पांच आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि 15 रॉकेट सेंट्रल माच जेल को निशाना बनाकर दागे गए। इस जेल में मौत की सजा पाए कई खतरनाक आतंकियों और कैदियों को रखा गया है।

रॉकेट दागने के बाद आतंकियों ने सेंट्रल जेल के पास सुरक्षा बलों के शिविर पर हमला किया और माच रेलवे स्टेशन में भी घुस गए। अधिकारी ने बताया कि लगातार हो रही गोलीबारी को देखते हुए लाउडस्पीकर की मदद से लोगों को घर के अंदर ही रहने के लिए कहा गया। बलूचिस्तान के सूचना मंत्री जान अचकजई ने कहा, 'उन्होंने माच जेल की ओर जो

■ आतंकियों ने रॉकेट और अत्याधुनिक हथियारों से हमला किया

रॉकेट दागे थे वे सुरक्षा चक्र को नहीं भेद पाए।'बलूचिस्तान जेल के महानिरीक्षक शुजा कासी ने पुष्टि करते हुए कहा कि रॉकेट माच जेल की आवासीय कॉलोनी की दीवारों पर गिरे। उन्होंने बताया कि माच जेल में 800 कैदी बंद है, जिनमें कुछ ऐसे भी है, जिन्हें मौत की सजा सुनाई गई है। मंत्री ने दावा किया आतंकवादी असलम अचो समूह के थे और बाद में प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) समूह के माजिद ब्रिगेड ने हमले की जिम्मेदारी ली है। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि हथियारों से लैस आतंकवादियों और सेना के बीच कई घंटों तक गोलीबारी होती रही और सूर्य उदय होने से पहले वे आसपास के पहाड़ी इलाकों की ओर से भाग गए।

पाकिस्तान : इमरान खान और महमूद कुरैशी को 10 साल जेल की सजा

इस्लामाबाद (वार्ता)। पाकिस्तान की राजनीति में मंगलवार को उस समय तूफानी घटनाक्रम सामने आया जब सरकारी गोपनीयता कानून मामलों की विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरेशी को 10 साल जेल की सजा सुनाई। मामले की सुनवाई की शुरुआत में खान और कुरैशी को पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 342 के तहत एक प्रश्नावली दी गई। खान की ओर से अपना बयान दर्ज करने के बाद अदालत ने उनसे सिफर के ठिकाने के बारे में पूछा, जिस पर उन्होंने जवाब दिया, 'मैंने अपने बयान में यही कहा है जो मुझे नहीं पता। सिफर मेरे कार्यालय में था।' सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने दोनों नेताओं को 10 साल जेल की सजा सुनाई। फैसला सुनाने के बाद न्यायाधीश अदालत कक्ष से बाहर चले गए।

कुरैशी ने यह कहते हुए विरोध जताया कि उनका बयान दर्ज नहीं किया गया।

विशेष अदालत का यह फैसला पाकिस्तान में आगामी आठ फरवरी को होने वाले संसदीय चुनाव से नौ दिन पहले आया है। इस चुनाव में पाकिस्तान तहरी-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) सरकार की सख्ती के बीच और बिना किसी चुनावी चिन्ह के भी चुनाव लड़ रही है। बदले घटनाक्रम में अब खान और कुरैशी दोनों नेता अगले पांच साल के लिए कोई चुनाव नहीं लड़ सकते। इस बीच पीटीआई के एक नेता ने एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान इमरान और कुरैशी के साथ खड़ा है। दोनों ने देश को बचाने का काम किया है। सिफर मामले में कानून का पूरी तरह से मजाक बनाया गया और उसकी अवहेलना की गयी है। दोनों को न्याय दिलाने की हम अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी नहीं भूलेंगे।'

एक माह में दाखिल कर दिया जाएगा पूरक आरोप पत्रः सीबीआई

नई दिल्ली। जमीन के बदले रेलवे में नौकरी देने के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत से कहा कि वह राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ एक महीने के भीतर पूरक आरोपपत्र दाखिल करेगा। सीबीआई ने राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने से कहा कि यह आरोप पत्र फरवरी के अंत तक दाखिल कर दिया जाएगा।

सीबीआई ने इस मामले की जांच के दौरान 13 लाख रुपए जब्त किये थे। उक्त रकम देने के लिए राजद नेता अहमद अशफाक करीम ने एक आवेदन दाखिल किया था। सीबीआई ने इसके जवाब में ही न्यायाधीश को यह जानकारी दी है। न्यायाधीश ने इसके बाद पूरक आरोपपत्र दाखिल होने तक आवेदन को लंबित रख लिया। साथ ही सुनवाई 27 फरवरी के लिए स्थगित कर दी।

किंग चार्ल्स की चैरिटी 40 लाख भारतीय बच्चों की शिक्षा पर करेगी फोकस

लंदन (आईएएनएस)। किंग चार्ल्स चैरिटी संस्था ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट शैक्षिक पहल का नेतृत्व कर रहा है। यह संस्था पांच वर्षों में भारत में 40 लाख बच्चों के जीवन को बदल देगा। लिफ्ट एड लर्निंग एंड इनोवेशन पहल का उद्देश्य भारत के शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है और इसे पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर लॉन्च किया गया था।

पहली से तीसरी कक्षा के बच्चों को लक्षित करने वाला यह प्रोग्राम भारत में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता में सुधार के लिए शिक्षा विशेषज्ञों के विविध मिश्रण को एक साथ लाता है और इसके 26 भागीदार संघ से 20 मिलियन अमरीकी डॉलर (166 करोड़ रुपए) तक जुटाता है। उल्लेखनीय नामों में एटलसियन फाउंडेशन, ब्रिजेज आउटकम्स पार्टनरशिप्स, माइकल एंड सुसान डेल फाउंडेशन, रिलायंस फाउंडेशन,

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक यूबीएस ऑप्टिमस फाउंडेशन और यूएसएआईडी शामिल हैं। यह पहल भारत सरकार ने एफएलएन को सीखने के लिए जरूरी और आवश्यक शर्त के रूप में पहचाने जाने के बाद शुरू हुई। 2021 में 2026-27 तक 4-10 आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को एफएलएन कौशल से लैस करने के लिए ऐतिहासिक निपुण भारत मिशन शुरू किया। भारत में ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक भरत विश्वेश्वरैया ने कहा, भारत में शिक्षा के क्षेत्र में पिछली सफलताओं से मिली सीख को लागू करते हुए हमने भारत सरकार के लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने, सिस्टम परिवर्तन के दृष्टिकोण को अपनाने और प्रौद्योगिकी की शक्ति को शीघ्रता से खोलने के मूल्य को पहचाना। एफएलएन को ग्रेड तीन के अंत तक बुनियादी पाठ को पढ़ने और समझने और बुनियादी गणितीय समस्याओं को हल करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है। ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट ने एक बयान में कहा, लिफ्ट एड की महत्वाकांक्षा जमीन पर और घरेलू हस्तक्षेप के दोहरे दृष्टिकोण के माध्यम से सीखने के इन बिल्डिंग ब्लॉक्स को मजबूत करना है। किंग चार्ल्स ने ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट की स्थापना 2007 में ब्की थी। उस समय वह वेल्स के राजकुमार थे और उन्होंने दक्षिण एशिया में व्यापक गरीबी असमानता और अन्याय से निपटने के लिए ब्रिटिश एशियाई व्यापारिक नेताओं के एक समूह के साथ मिलकर काम किया था।

शहीद दिवस पर सुप्रीम कोर्ट में जजों और वकीलों ने मौन रखा

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वालों की याद में मंगलवार को 'शहीद दिवस' पर दो मिनट का मौन रखा।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की अल्पसंख्यक स्थिति के मुद्दे पर दलीलें सुन रही, प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने पूर्वाह्न 10 बजकर 59 मिनट पर खड़े होकर दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद सभी पीठों ने दिन की कार्यवाही फिर से शुरू की। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि यानी 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। शीर्ष अदालत द्वारा 25 जनवरी को जारी परिपत्र कहा गया था, 'भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वालों की याद में हर साल अपनाई जाने वाली परंपरा के अनुसार मंगलवार यानी 30 जनवरी, 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे दो मिनट का मौन रखा जाएगा।'

खबर संक्षेप

मीशो ने दो लाख उत्पादों को मंच से हटाया

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित मीशो ने गुणवत्ता जांच के बाद पिछली तिमाही में अपने ई-कॉमर्स मंच से करीब दो लाख उत्पादों को हटा दिया है। कंपनी की योजना छह महीने में मंच से कम रेटिंग वाली वस्तुओं को 20 प्रतिशत तक हटाने की है। मीशो के अनुसार, 'मूल्यांकन के बाद मंच से पिछली तिमाही में करीब दो लाख उत्पादों को हटा दिया...' कंपनी के अनुसार गुणवत्ता जांच को मजबूत करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश किया गया है।

पोर्शे इंडिया ने 2023 में की श्रेष्ठ खुदरा बिक्री दर्ज

नई दिल्ली। लक्जरी स्पोर्ट्स कार निर्माता पोर्शे इंडिया ने 2023 में 914 इकाइयों के साथ अपनी सर्वश्रेष्ठ खुदरा बिक्री दर्ज की। सालाना आधार पर यह 17 प्रतिशत की वृद्धि है। पोर्शे इंडिया की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कंपनी ने सर्वाधिक 113 टायकन की डिलीवरी कर रिकॉर्ड दर्ज करते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया।

बजाज फिनसर्व का शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बजाज फिनसर्व का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) का एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढ़कर 2,158 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में विविध वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 1,782 करोड़ रुपये रहा था। बजाज फिनसर्व ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसकी कुल आमदनी आलोच्य तिमाही में बढ़कर 29,038 करोड़ रुपये हो गई।

ब्लू स्टार के शुद्ध लाभ में 72 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। एयर कंडीशनर (एसी) और वाणिज्यिक रेफ्रिजरेटर बनाने वाली कंपनी ब्लू स्टार लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में 72 प्रतिशत उछाल के साथ 100.46 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 58.41 करोड़ रुपये रहा था। ब्लू स्टार लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि आलोच्य तिमाही में उसकी परिचालन आय 25 प्रतिशत बढ़कर 2,241.19 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,794.17 करोड़ रुपये थी।

टोयोटा ने इंजन में खराबी पर तीन मॉडल की आपूर्ति रोकी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- हॉर्स पावर आउटपुट संबंधी परीक्षणों में अनियमितताएं मिली

वाहन विनिर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने डीजल इंजन के प्रमाणन परीक्षण में 'अनियमितताएं' पाए जाने के बाद देश में अपने तीन मॉडल- इनोवा क्रिस्टा, फॉर्च्यूनर और हाइलक्स की आपूर्ति अस्थायी तौर पर रोक दी है। टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन (टीएमसी) से संबद्ध कंपनी टोयोटा इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन ने एक दिन पहले कहा था कि डीजल इंजन वाले तीन मॉडल के हॉर्स पावर आउटपुट संबंधी परीक्षणों में अनियमितताएं पाई गई हैं।

खराबी इंजन के पावर व टॉर्क को लेकर

इस बारे में संपर्क किए जाने पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के प्रवक्ता ने कहा, 'अनियमितताएं इंजन के पावर और टॉर्क से संबंधित हैं लेकिन हॉर्सपावर, टॉर्क या इंजन से संबंधित अन्य मामलों में बढ़ा-चढ़ाकर कोई दावा नहीं किया गया है।' इसके साथ ही कंपनी प्रवक्ता ने बयान में कहा कि इस मुद्दे का प्रभावित वाहनों के उत्सर्जन या सुरक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

नए ऑर्डर लेना जारी रहेगा

टीकेएम ने कहा, 'टोयोटा प्रभावित वाहनों के प्रमाणीकरण में इस्तेमाल किए गए आंकड़ों की दोबारा पुष्टि के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम कर रही है। ऐसी स्थिति में टीकेएम प्रभावित वाहनों की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोकने जा रही है।' इस बीच, टीकेएम तीनों मॉडलों के लिए नए ऑर्डर लेना जारी रखेगी।

ग्राहकों से मांगी माफी

इससे उनके वाहनों के उत्सर्जन या सुरक्षा से भी कोई समझौता नहीं हुआ है। इसके साथ ही कंपनी ने इस अनियमितता के कारण अपने ग्राहकों एवं अन्य हितधारकों को होने वाली असुविधा और चिंता के लिए माफी मांगी है।

10 मॉडल में इन इंजनों का उपयोग

भारत के मामले में इस इंजन का इस्तेमाल इनोवा क्रिस्टा, फॉर्च्यूनर और हाइलक्स मॉडल में किया जाता है। वैश्विक स्तर पर 10 मॉडल इन इंजनों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें जापान के छह मॉडल भी शामिल हैं।

ग्राहकों को अवगत करा दिया गया

कंपनी ने कहा कि डीलरों तक पहले ही भेजी जा चुकी लेकिन अभी तक ग्राहकों को वितरित नहीं की गई कारों के बारे में स्थिति से ग्राहकों को अवगत करा दिया जाएगा। टीकेएम ने कहा, हम अपने मौजूदा ग्राहकों से यह कहना चाहेंगे कि उनके वाहन इन अनियमितताओं से अप्रभावित हैं क्योंकि हॉर्सपावर, टॉर्क या इंजन संबंधी अन्य पहलुओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

एक दिन की जोरदार तेजी के बाद मंगलवार को नरमी लौटी

रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 802 अंक लुढ़का

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में एक दिन की जोरदार तेजी के बाद मंगलवार को फिर नरमी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 802 अंक लुढ़क गया। मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और बजाज फाइनेंस में बिकवाली से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 801.67 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,139.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 865.85 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 215.50 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,522.10 अंक पर बंद हुआ।

परिणाम बाजार के अनुरूप नहीं रहे

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस 5.03 प्रतिशत नीचे आया। तिमाही परिणाम बाजार उम्मीद के अनुरूप नहीं होने से कंपनी के शेयर में गिरावट आई। इसके अलावा टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और एनटीपीसी प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं।

अमेरिकी बाजार बढ़त में रहे

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त में रहे थे।

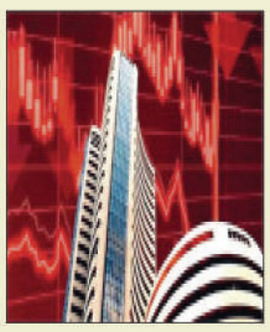

- निफ्टी 215 अंक घटकर 21,522 अंक पर हुआ बंद
- एशिया के अन्य बाजारों में भी कमजोर रुख रहा
- आईटीसी, बजाज फाइनेंस, अट्राटेक सीमेंट में रही गिरावट

बजट से पहले निवेशक सतर्क

एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख का भी घरेलू बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। बजट आने में एक दिन बचा है, ऐसे में निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया है। हालांकि, बजट में कोई बड़ी घोषणा होने की संभावना नहीं है।

इन शेयरों में रही तेजी

दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शामिल हैं।

नीतिगत दर को लेकर बनी रहेगी यथा स्थिति

इसके बजाय निवेशकों का ध्यान अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा पर होगा। हालांकि, यह संकेत है कि नीतिगत दर को लेकर यथास्थिति बनी रहेगी। इससे निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी।

बीएलएस ई-सर्विसेज को पहले ही दिन पूर्ण अभिदान

बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोलियां खुलने के कुछ ही मिनट के भीतर पूर्ण अभिदान मिल गया। पहले दिन कंपनी के आईपीओ को 15.63 गुना अभिदान मिला। एनएसई पर मौजूद आंकड़ों के अनुसार, 311 करोड़ रुपये के आईपीओ को 1,37,02,904 शेयरों की पेशकश पर 21,41,26,416 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं जो 15.63 गुना अभिदान है।

ईपैक इयूरेबल का शेयर पहले दिन 10 प्रतिशत टूटा

ईपैक इयूरेबल का शेयर मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने निर्गम मूल्य 230 रुपये से करीब 10 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। कंपनी के शेयर ने बीएसई पर निर्गम मूल्य से 2.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 225 रुपये पर कारोबार शुरू किया। दिन में कारोबार के दौरान यह 10.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 205.70 रुपये पर आ गया। अंत में यह 9.69 प्रतिशत टूटकर 207.70 रुपये पर बंद हुआ।

टाटा मोटर्स बनी सबसे मूल्यवान वाहन कंपनी

बाजार पूंजीकरण में मारुति को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टाटा मोटर्स मंगलवार को बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के लिहाज से देश की सबसे मूल्यवान वाहन कंपनी बन गयी। उसने इस मामले में मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को पीछे छोड़ दिया है। कंपनी के बाजार पूंजीकरण में उसके मूल्यांकन के अलावा डीवीआर (डिफरेंशियल वोटिंग राइट्स) शेयर शामिल हैं।

- कंपनी के बाजार पूंजीकरण में डीवीआर शेयर शामिल

टाटा मोटर्स का शेयर मंगलवार को बीएसई में 2.19 प्रतिशत चढ़कर 859.25 रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 5.40 प्रतिशत उछलकर 886.30 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया था। टाटा मोटर्स लि. - डीवीआर शेयर 1.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 572.65 रुपये पर पहुंच गया। वहीं मारुति का शेयर 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,957.25 रुपये पर बंद हुआ। टाटा मोटर्स का एमकैप 2,85,515.64 करोड़ रुपये जबकि टाटा मोटर्स लि. -डीवीआर का बाजार पूंजीकरण 29,119.42 करोड़ रुपये रहा। कुल मिलाकर यह 3,14,635.06 करोड़ रुपये रहा। यह मारुति के 3,13,058.50 करोड़ रुपये के मूल्यांकन से 1,576.56 करोड़ रुपये अधिक है। सेंसेक्स और निफ्टी कंपनियों में टाटा मोटर्स सर्वाधिक लाभ में रहने वाली कंपनियों में शामिल रही।

अधिग्रहण आदि रोकने जारी होते हैं डीवीआर

डीवीआर (डिफरेंशियल वोटिंग राइट्स) शेयर सामान्य इक्विटी शेयरों की तरह होते हैं लेकिन इसमें मतदान अधिकार और लाभांश अधिकार अलग होता है। कंपनियां जबरिया अधिग्रहण को रोकने, खुदरा निवेशकों को जोड़ने आदि कारणों से डीवीआर जारी करती हैं।

पाकिस्तान में नकली मुद्रा से निपटने जारी होंगे नए नोट

एजेंसी ▶▶ कराची

पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने नकदी की कमी और नकली मुद्रा के खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा की उन्नत तकनीक से लैस नए नोट पेश करने की घोषणा की है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने यहां पत्रकारों को बताया कि नए नोट सुरक्षा की अंतरराष्ट्रीय स्तर की उन्नत तकनीक से लैस होंगे। पाकिस्तानी मुद्रा को आधुनिक बनाने के लिए इसमें विशिष्ट सुरक्षा संख्या तथा डिजाइन का इस्तेमाल होगा। अहमद ने कहा कि यह बदलाव धीरे-धीरे किया जाएगा ताकि पाकिस्तान में सार्वजनिक स्तर पर कोई समस्या न खड़ी हो जैसा कि अतीत में कुछ अन्य देशों में देखा गया है। हालांकि, कुछ वित्तीय विशेषज्ञों इस बात पर आश्चर्य जताया और सवाल किया कि क्या इसके साथ ही नकली नोट की समस्या तथा काले धन बाजार से निपटने के लिए 5,000 रुपये या उच्च मूल्य वर्ग के नोट का विमुद्रीकरण भी किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, नकदी की कमी से जूझ रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था काले धन के अवैध इस्तेमाल से काफी प्रभावित है, जो उच्च मूल्यवर्ग के नोट के प्रचलन के कारण आसान है।

- नकदी की कमी व नकली मुद्रा से निपटने केंद्रीय बैंक की घोषणा
- नए नोट सुरक्षा की अंतरराष्ट्रीय स्तर की उन्नत तकनीक से लैस होंगे

जनता व व्यापारियों को कोई असुविधा नहीं होगी

कैपिटल इन्वेस्टमेंट के सोहेल फारूक ने कहा, 'पाकिस्तान की मौद्रिक प्रणाली की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए यह सही कदम है, लेकिन क्या इसमें नोटबंदी शामिल होगी...यह देखना होगा।' एक अन्य बैंकर ने कहा कि केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई मुद्रा लाने के दौरान जनता तथा व्यवसायों को कोई असुविधा न हो।

निर्यात उत्पादकों के मानकों को उदार बनाने की योजना

नई दिल्ली। सरकार बेहतर पृष्ठभूमि वाली कंपनियों के लिए रसायनों जैसे दोहरे उपयोग वाले कुछ उत्पादों के लिए निर्यात मानदंडों को उदार बनाने की दिशा में काम कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष कुमार सारंगी ने दोहरे उपयोग वाले उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों को संवेदनशील बताते हुए कहा कि इनके गैर-सरकारी इकाइयों के गलत हाथों में जाने पर ये वैश्विक स्तर पर गंभीर व्यवधान पैदा कर सकती हैं। सारंगी ने यहां रणनीतिक व्यापार नियंत्रण पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'हम उद्योग, विदेश मंत्रालय और सीमा शुल्क विभाग के साथ काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन कंपनियों के लिए कई क्षेत्रों को उदार बनाया जाए जिनके पास जिम्मेदार उपयोग और जिम्मेदार निर्यात की स्थापित पृष्ठभूमि है।'

लाइसेंस की जरूरत होती है

विशेष रसायन, संघटक, सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी (स्कोमेट) वस्तुओं के कारोबार के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है क्योंकि वे दुनिया की रणनीतिक व्यापार नियंत्रण व्यवस्था के अधीन हैं।

बिजनेस साइट

छत्तीसगढ़ में उच्च प्रभाव मेगा वाटरशेड परियोजना को दी थी मान्यता

एक्सिस बैंक फाउंडेशन ने जीता अर्थ केयर अवार्ड 2024

▶▶ रायपुर

भारत रूरल लाइवली हुड्स फाउंडेशन (बीआरएलएफ) के साथ साझेदारी में एक्सिस बैंक फाउंडेशन (एबीएफ) को जेएसडब्ल्यू और द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप द्वारा आयोजित अर्थ केयर अवार्ड 2024 के 11वें संस्करण में सम्मानित किया गया है। एबीएफ और बीआरएलएफ को समुदाय आधारित जलवायु कार्रवाई कार्यक्रम की श्रेणी के तहत 'छत्तीसगढ़ में उच्च प्रभाव वाटरशेड परियोजना' में उनके असाधारण कार्य के लिए मान्यता दी गई है। प्रतिष्ठित पुरस्कार ने एबीएफ और बीआरएलएफ के सतत आजीविका कार्यक्रम के उत्कृष्ट प्रयासों को मान्यता दी, जिसने नवीन भूमि और जल उपचार उपायों के माध्यम से 1 लाख से अधिक किसान परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की थी। फसल गहनता में सुधार, और जलसंभर विकास और प्रबंधन पर स्थानीय समुदाय के सदस्यों या सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (सीआरपी) की क्षमता निर्माण भी इसमें शामिल था। इस परियोजना के तहत कई प्रमुख पहलों को लागू किया गया है जिससे क्षेत्र में इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है-वाटरशेड के निर्माण के माध्यम से मिट्टी और जल संरक्षण में सुधारः टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ाने के लिए रणनीतिक उपायों का कार्यान्वयन किया गया।

एस एंड पी ग्लोबल सीएसए की सूची में वेदांता एल्यूमिनियम को शीर्ष स्थान

▶▶ रायपुर

भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक कंपनी वेदांता एल्यूमिनियम ने घोषणा की है कि वर्ष 2023 (मूल्यांकन अवधि) के लिए एल्यूमिनियम उद्योग की प्रतिष्ठित एस एंड पी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) सूची में उसने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। वेदांता एल्यूमिनियम द्वारा हासिल यह उपलब्धि दोहराती है कि कंपनी दुनिया की सबसे सस्टेनेबल एल्यूमिनियम उत्पादक बनने की ओर अग्रसर है और इस बार उसने पर्यावरणीय, सामाजिक व गवर्नेंस (ईएसजी) के मोर्चों पर अपने वैश्विक समकक्षों को पीछे छोड़ दिया है। एस एंड पी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) कंपनी के सस्टेनेबिलिटी अभ्यासों का सालाना मूल्यांकन है। एस एंड पी सीएसए में दुनिया भर की 10,000 से अधिक कंपनियों को शामिल किया जाता है।

पिछले साल पाया था दूसरा स्थान

सीएसए सस्टेनेबिलिटी की उन कसौटियों पर ध्यान केन्द्रित करता है जो उद्योग-विशेष एवं वित्तीय रूप से महत्वपूर्ण हों। इस समीक्षा को अग्रणी कंपनियों द्वारा प्रमुख बाहरी सस्टेनेबिलिटी मूल्यांकन माना जाता है। इससे पहले वर्ष 2022 के मूल्यांकन के अनुसार वेदांता एल्यूमिनियम ने दुनिया भर के एल्यूमिनियम उद्योग में दूसरा स्थान पाया था।

डाबर च्यवनप्राश ने रायपुर में लांच किया 'साइंस इन एक्शन' अवेयरनैस कैंपेन

▶▶ रायपुर

भारत की प्रमुख विज्ञान आधारित आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने उपभोक्ताओं को आयुर्वेद के फायदों और सेहतमंद जीवनशैली के बारे में जागरुक बनाने के लिए जागरुकता अभियान 'साइंस इन एक्शन' की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत डाबर, जाने-माने आयुर्वेदिक चिकित्सकों के साथ 22 शहरों के स्कूलों में सेमिनार का आयोजन भी करेगा। इस अभियान को इस अवसर पर दिनेश कुमार, मैनेजर कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन डाबर इंडिया लिमिटेड ने रायपुर में वीएलएम इंग्लिश मीडियम स्कूल के 250 से अधिक बच्चों के लिए आयोजित एक विशेष सत्र के साथ हरी झंडी दिखाई। कैंपेन को लांच करते हुए डाबर इंडिया लिमिटेड एजीएम मार्केटिंग, हेल्थ सप्लीमेन्ट्स- राकेश टहलियानी ने कहा, 'आज के दौर में सभी लोग अपने स्वास्थ्य और कल्याण का महत्व समझ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए डाबर उन्हें विज्ञान पर आधारित जानकारी देकर परम्परा और आधुनिकता के बीच के अंतर को दूर करना चाहता है।'

गहन अनुसंधान के बाद प्रोडक्ट्स तैयार

इस कैंपेन 'साइंस इन एक्शन' के साथ डाबर आयुर्वेद से जुड़े मिथकों को दूर कर लोगों को सही जानकारी देना चाहता है ताकि वे आयुर्वेद के फायदों को समझें। डॉ परमेश्वर अरोरा ने कहा, गहन अनुसंधान के बाद डाबर के सभी प्रोडक्ट्स तैयार किए जाते हैं। डाबर च्यवनप्राश ने पिछले सालों के दौरान इम्युनिटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सरकार के तमाम प्रयास हुए विफल

गर्त में जा रहा चीन का शेयर बाजार, सरकार के संभाले नहीं संभल रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

2021 में चीन के शेयर बाजार का जो पतन शुरू हुआ था, वह बदस्तूर जारी है। चीन की सरकार द्वारा इस पतन को रोकने के लिए किए गए तमाम प्रयास भी विफल हुए। परिणाम-स्वरूप चीनी शेयर बाजार कड़वा होता चला गया। निवेशकों का मोहभंग हुआ तो शॉर्ट-सेलिंग से पैसा कमाने वाली फर्म्स एक्टिव हो गईं। यदि शॉर्ट सेलिंग चलती रही तो चीन का 6 ट्रिलियन डॉलर का शेयर बाजार पता नहीं कहां जाकर थमेगा। इसी के मद्देनजर चीन के शीर्ष प्रतिभूति नियामक ने शॉर्ट सेलिंग को सीमित कर दिया है। हमेशा भारत के खिलाफ सोचने वाले 'दुष्ट-देश' चीन ने शेयर बाजार को शॉर्ट सेलर्स के चंगुल से बचाने के लिए शॉर्ट सेलिंग को सीमित किया है।

क्या होती है शॉर्ट सेलिंग

शॉर्ट सेलिंग शेयर बाजार में ट्रेडिंग का तरीका है। इसके तहत लोग अपने ब्रोकर से शेयर उधार लेते हैं और बेच देते हैं। वे इस नजरिए से बेचते हैं कि शेयर का भाव ऊपर नहीं जाएगा, बल्कि गिरेगा। जैसे ही गिरेगा, वे अपने बेचे हुए शेयर्स को कम कीमत पर वापस खरीद लेंगे और उधार चुकता कर देते हैं।

एक दिन का करना होगा इंतजार

नियामक ने संस्थागत निवेशकों से शेयर उधार लेने वाली सिक्योरिटीज फाइनेंसिंग कंपनियों को ब्रोकरेज को शेयर देने से पहले एक दिन इंतजार करने के लिए कहा है। बता दें कि ब्रोकरेज बाद में उन्हीं शेयर्स को शॉर्ट-सेलर्स को उधार दे देती हैं। पहले, ये शेयर तुरंत ब्रोकरेज फर्मों को उपलब्ध कराए जा सकते थे।

प्रतिबंधित शेयरों का ऋण पूरी तरह होगा निलंबित

चीन के प्रतिभूति नियामक कमीशन ने कहा कि वह मेनलैंड चीन में शेयर बाजारों पर प्रतिबंधित शेयरों के ऋण को 'पूरी तरह से' निलंबित करेगा। यह आदेश सोमवार से लागू हो चुका है। इसका असर उन शेयरों पर पड़ेगा, जो कंपनी के कर्मचारियों या रणनीतिक निवेशकों के पास हैं और एक निश्चित अवधि के लिए शेयर बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित हैं, लेकिन फिर भी शॉर्ट सेलिंग के लिए दूसरों को उधार दिए जा सकते हैं।

समझे उदाहरण से

इसे उदाहरण से समझना ज्यादा आसान होगा। मान लीजिए आप एक शॉर्ट सेलर हैं। आपने एबीसी से किसी कंपनी के शेयर 100 रुपए हिसाब से उधार लिए और बाजार में बेच दिए। आपको लगता है कि शेयर का भाव कल तक 90 रुपए पर आ जाएगा। कल जैसे ही वह 90 या फिर 100 से कम किसी भी रेट पर आएगा, तो आप उसे वापस खरीद लेंगे। यदि आप 90 रुपए पर वापस खरीदते हैं तो आपको 10 रुपए का फायदा होगा। एक चीज जिसे पहले हमने 100 में बेचा था, उसे बाद में 90 में खरीद लिया। 90 में खरीदकर उसे निवेशक को वापस कर दिया, जिससे वह चीज उधार ली गई थी। यही शॉर्ट सेलिंग होती है।

विशाखापत्तनम में भारत नहीं हारा कोई भी टेस्ट, इंग्लैंड को 2016 में चटाई थी धूल

भारत बनाम इंग्लैंड, दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से : सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶ विशाखात्तनम

भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच विशाखापत्तनम में 2 फरवरी से खेला जाएगा। डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में होना वाला यह मैच दोनों ही दोनों ही टीमों के लिए अहम रहने वाला है। एक तरफ इंग्लैंड टीम जीत के साथ सीरीज में 2-0 की बढ़त लेने के इरादे से मैदान में उतरेगी वहीं, भारतीय टीम सीरीज में वापसी करने के मोटिव के साथ खेलेगी। भारतीय टीम का इस मैदान पर रिकॉर्ड शानदार रहा है। टीम इंडिया इस मैदान में आज तक एक भी मैच नहीं हारी है।

इस मैदान पर लगे हैं कुल 7 टेस्ट शतक

विशाखापत्तनम में अब तक टेस्ट में कुल 7 शतक लगे हैं, जिसमें से 5 भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए हैं। मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा यहां पर सर्वाधिक 2 शतक जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। इस मैदान पर 1 दोहरा शतक भी लगा है, जो मयंक ने लगाया है। इस बल्लेबाज ने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में 215 रन बनाए थे। उन्होंने अपनी इस पारी में 23 चौके और 6 छक्के लगाए थे।

विशाखापत्तनम में भारत रहा अजेय

विशाखापत्तनम में भारत ने अब तक दो टेस्ट मैच खेले हैं। इन दोनों ही मैचों में भारत ने जीत दर्ज की है। 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ इसी मैदान पर भारत ने पहले टेस्ट में 246 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। इसके बाद 2019 में भारत दौरे पर आई साउथ अफ्रीकी टीम को भी भारत ने 203 रन से हराया था।

इन बल्लेबाजों के चले बल्ले

रोहित शर्मा इस मैदान पर सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने यहां पर 2 पारियों में 151.50 की औसत के साथ 303 रन अपने नाम किए हैं। उनके बाद इस सूची में कोहली (299), मयंक अग्रवाल (222) और चेतेश्वर पुजारा (207) हैं। इंग्लैंड की टीम से जॉनी बेयरस्टो ने अपनी 2 पारियों में कुल 83 रन बनाए हैं, जिसमें 1 अर्धशतक शामिल है। जो रूट ने इस मैदान पर 2 पारियों में कुल 78 रन बनाए हैं।

मैकुलम की भारत को ललकार 4 स्पिनर्स खिलाएगा इंग्लैंड!

इंग्लैंड की टीम ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार, 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। इससे पहले इंग्लैंड के कोच बेंडन मैकुलम ने भारत को टर्निंग पिच बनाने के लिए ललकारा है। इंग्लैंड पहले टेस्ट में 3 स्पिनर्स और 1 तेज गेंदबाज के साथ उतरा था। डेब्यूटेंट टॉम हार्टले ने अपनी शानदार गेंदबाजी के दमपर मैच का रुख पलट दिया था। ऐसे में मैकुलम ने कहा कि अगर विशाखापत्तनम की पिच स्पिनर्स के लिए ज्यादा मददगार रही तो इंग्लैंड 4 स्पिनर्स को खिलाने में संकोच नहीं करेगा। भारत की पहले टेस्ट में हार के बाद सबकी निगाहें विशाखापत्तनम के विकेट पर होगी। क्या यह भी विकेट हैदराबाद की तरह स्लो और लो रहेगी या फिर रैंक टर्नर देखने को मिलेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी कमजोर है। विराट कोहली के बाद केएल राहुल और रविंद्र जडेजा दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, ऐसे में शायद ही रैंक टर्नर देखने को मिले।

***इन स्पिनर्स को मिल सकता है मौका** : अगर इंग्लैंड 4 स्पिनर्स के साथ उतरा तो जैक लीच, रेहान अहमद और टॉम हार्टले के अलावा शोएब बशीर को प्लेइंग 11 में मौका मिलेगा। बशीर वीजा संबंधी दिक्कतों के कारण देर से भारत और इंग्लैंड की टीम से हैदराबाद टेस्ट के चौथे दिन जुड़े।*

खबर संक्षेप

ईराक को हराकर जोर्डन क्वार्टर फाइनल में

अल रेयान (कतर)। ऐमैन हुसैन को आखिरी क्षणों में मैदान से जाना पड़ा और दस खिलाड़ियों तक सिमटे ईराक को 3-2 से हराकर जोर्डन ने एशियाई कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। हुसैन को दूसरा गोल करने के बाद अति उत्साहित होकर जश्न मनाने के कारण दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया। हुसैन ने 76वें मिनट में गोल दागा। अतिरिक्त समय के पांचवें मिनट में याजान अल अरब ने बराबरी का गोल किया और निजार अल रशदान ने दो मिनट बाद विजयी गोल दागा। एक अन्य मैच में गत चैम्पियन कतर ने फलस्तीन को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उसका सामना उजबेकिस्तान या थाईलैंड से होगा।

त्रीशा-गायत्री दूसरे दौर में, अब अश्विनी-तनीषा से भिड़ंत

बैंकॉक। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले में लोक लोक लुइ और विंग युंग एनजी की हांगकांग की जोड़ी को हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। छठी वरीय भारतीय जोड़ी ने पहले दौर के मुकाबले में एक घंटे और 14 मिनट में 16-21 21-10 21-18 से जीत दर्ज की। हमवतन जोड़ी से भिड़ेगी ये जोड़ी त्रीशा और गायत्री अगले दौर में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की हमवतन गैरवरीय जोड़ी से भिड़ेंगे। तनीषा और अश्विनी ने लिंग फैंग हू और शियाओ मिन लिन की चीनी ताइपे की जोड़ी को 21-13 21-17 से हराया।

मुंबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप 5 से 11 तक

मुंबई। मुंबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप में 31 देशों के खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे जिसका आयोजन छह साल के अंतराल के बाद यहां पांच से 11 फरवरी तक होगा। इसका आयोजन क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया ब्रेबॉर्न स्टेडियम में नव-निर्मित टेनिस कोर्ट में होगा। क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया, महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ के साथ इस कार्यक्रम का सह-आयोजक है। मुंबई ओपन के तीसरे सत्र में एकल वर्ग में शीर्ष 100 रैंकिंग में शामिल तीन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जबकि युगल वर्ग में शीर्ष 100 में शामिल छह खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह टूर्नामेंट 'डब्ल्यूटीए 1,25,000 डॉलर' सीरीज का हिस्सा है। इन खिलाड़ियों का दिखेगा हुनर विश्व रैंकिंग में 82वें स्थान पर काबिज अमेरिका की कायला डे टूर्नामेंट के एकल में भाग लेने वाली 32 खिलाड़ियों में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी है।

क्रिकेट : अंडर-19 वर्ल्ड कप में मुशीर खान ने जमाया दूसरा शतक

बड़ा भाई टीम इंडिया में, छोटा वर्ल्ड कप में जमा रहा शतक पर शतक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय टीम ने हाल ही में साउथ अफ्रीका का सफर दौरा पूरा किया है। भारत की अंडर 19 टीम अब वर्ल्ड कप में धमाल मचा रही है। इस टूर्नामेंट में नजर एक बैटर मुशीर खान पर है जिसके बड़े भाई सरफराज खान को एक दिन पहले भारत की टेस्ट टीम में इंग्लैंड के खिलाफ चयनकर्ताओं ने मौका दिया है वहीं छोटे भाई ने अंडर 19 वर्ल्ड कप में लगातार शतकीय पारी खेल कर हंगामा मचा दिया है।

टीम ने अंडर 19 विश्व कप में गजब का कमाल दिखाया

भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका में खेली जा रही अंडर 19 विश्व कप में गजब का खेल दिखाया है. लगातार तीन लीग मैच जीतकर टॉप पर रहते हुए टीम इंडिया ने सुपर सिक्स में जगह बनाई और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार चुनौती पेश की। न्यूजीलैंड की टीम ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत को शुरुआती झटके देने के बाद उनकी सामना टॉप फॉर्म में चल रहे मुशीर खान से हुआ और उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी कर एक और सेंचुरी ठोक डाली।

टीम इंडिया में शामिल सरफराज के छोटे भाई हैं मुशीर

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में केएल राहुल के चोटिल होने के बाद सरफराज खान का चयनकर्ताओं ने पहली बार टीम में चयन किया। बड़े भाई को खुशखबरी मिलने के एक दिन बाद ही छोटे भाई मुशीर खान ने अंडर 19 वर्ल्ड कप के सुपर सिक्स में सेंचुरी ठोक डाली। 109 गेंद का सामना करने के बाद 10 चौके और 1 छक्के की मदद से उन्होंने अपना शतक पूरा किया।

छोटे भाई ने लगाया रनों का अंबार

सरफराज खान के छोटे भाई मुशीर ने अंडर 19 विश्व कप में रनों का अंबार लगाया है। आयरलैंड के खिलाफ 26 जनवरी को 9 चौके और 4 छक्के की मदद से 118 रन बनाए थे। इसके बाद यूएसए के खिलाफ 73 रन की पारी खेली और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ मुश्किल में आकर सेंचुरी ठोक डाली।

इकलौते संस्करण में पाया अहम स्थान

मुशीर अब अंडर-19 विश्व कप के एक संस्करण में एक से अधिक शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले शिखर धवन ने 2014 के संस्करण में 3 शतक की मदद से 505 रन बनाए थे।

***भारत ने बनाया विशाल स्कोर :** मुशीर के शतक की मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर के बाद 295/8 का स्कोर बनाया है। उनके अलावा भारतीय सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह ने 52 रन की पारी खेली। कप्तान सहारण ने 34 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से मेसन क्लार्क ने 62 रन देते हुए सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए। उनके अलावा ryan सोर्गस और ओलिवर तेवतिया ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।*

आईसीसी चेयरमैन बनने जय शाह की नज़र

एसीसी के अध्यक्ष पद से दे सकते हैं इस्तीफा!

इंडोनेशिया के बाली में शुरू हुई एसीसी की दो दिवसीय एनुअल मीटिंग

एजेंसी ▶▶ बाली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में सचिव के पद पर काम कर रहे जय शाह को लेकर खबर सामने आ रही है कि वह एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे सकते हैं जिसका कारण उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ना है, इसलिए वह यह फैसले ले सकते हैं।

मंगलवार 30 जनवरी से इंडोनेशिया के बाली में एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग का आगाज हुआ जो 2 दिन तक चलेगी। एनुअल जनरल मीटिंग में एसीसी के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स को लेकर भी फैसला होना है। इंडोनेशिया के बाली में होने वाली एनुअल मीटिंग में एशिया के सभी क्रिकेट बोर्ड के सदस्य हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यकाल से पहले जय दे सकते हैं इस्तीफा

दरअसल, एसीसी अध्यक्ष पद का चुनाव 2 साल में एक बार होता है। जय शाह अपने कार्यकाल का एक साल पूरा कर चुके हैं। वो अगले चुनाव से पहले इस पोस्ट से इस्तीफा सकते हैं। मौजूदा वक्त में ग्रेग बार्कले आईसीसी के चेयरमैन हैं। नवंबर, 2022 को हुए चुनाव में ग्रेग बार्कले को दो साल के लिए दोबारा आईसीसी का चेयरमैन चुना गया था। अब इस साल नवंबर में उनका कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

फिलहाल किसके एसीसी मीडिया राइट्स

आपको बता दें कि फिलहाल डिजनी प्लस हॉटस्टार के पास डिजिटल और स्टार के पास ही टीवी राइट्स हैं। स्टार ने 8 साल पहले एसीसी मीडिया राइट्स खरीदे थे। एसीसी ने मीडिया राइट्स नीलामी के लिए सभी टॉप ब्रॉडकास्टर्स को डिनर पर इन्वाइट भी किया है। अब देखना होगा कि इस बार किसे राइट्स मिलते हैं। आईसीसी अध्यक्ष का चुनाव नवंबर मेंआईसीसी चेयरमैन बनने के लिए जय शाह एसीसी के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। आईसीसी चेयरमैन यानी अध्यक्ष के लिए नवंबर के महीने में चुनाव होंगे, जिसमें जय शाह हिस्सा ले सकते हैं। चेयरमैन बनने के लिए उन्हें एसीसी के साथ बीसीसीआई का पद भी छोड़ना होगा क्योंकि आईसीसी चेयरमैन स्वतंत्र होता है।

नवल टाटा ने 'सडनडेथ' के जरिये सीटीसी महाराष्ट्र को हराया

▶▶ राजनांदगांव

एसईआर रेल्वे कोलकता ने एक आसान मैच में साई सुंदरगढ को 8–3 गोल से व दूसरे मैच में सेल अकादमी राउरकेला ने मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई को 4–1 गोल से पराजित करते हुए 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के अगले रांउड में पहुंची। वहीं एक अन्य रोमांचक व संघर्षपूर्ण मैच में नवल टाटा अकादमी जमशेदपुर ने सीटीसी महाराष्ट्र को सडनडेथ में 8–7 गोल से पराजित किया। आज मैच में नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी सत्यनारायण शर्मा, शिव धकेता, संजू पटेल, अमित माथूर, शिवा चौबे, छ.ग. कबड्डी संघ के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

ऐसा रहा मैच का हाल : स्टेडियम समिति द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेली जा रही है 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन के पहले मैच में एसईआर कोलकता ने साई सुंदरगढ़ को एकतरफा मुकाबले में 3 के विरूद्ध 8 गोल से पराजित किया। पहले क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में अमनदीप लकरा ने पेनाल्टी कार्नर से गोल कर बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भी 24वें मिनट में रेल्वे के नोवल टोपनो ने गोल कर स्थिति 2–0 गोल पर ला दी थी। तीसरे व चौथे क्वार्टर में रेल्वे कोलकता ने एक के बाद एक 6 गोल किये जिसमें अमरजीत लकरा, पीयूष लकरा, लेबन लुगुन, दीपककिशोर एक्का, बिरसा ओरिया ने यह गोल किया। तीसरे क्वार्टर के 36वें मिनट में साई के आदित्य कुजूर ने, कप्तान इमन जोजो और आकाश एक्का ने गोल कर अपनी टीम के हार के अंतर को 8–3 गोल पर ला दिया।

अन्य मैच में राउरकेला ने सैफई को हराया : दूसरे खेले गये आसान मैच में सेल हॉकी अकादमी राउरकेला ने मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई को 4–1 गोल से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। सेल कर ओर से कप्तान सोनू निषाद, करन लकरा, नवीन लकरा, देवनाथ ननवार ने गोल किए। सैफई के रोमित पाल ही सिर्फ एक गोल मार पाए।

नवल टाटा व सीटीसी मुंबई में हुआ रोमांचक मैच : स्पर्धा में अब तक का सबसे संघर्षपूर्ण मैच नवल टाटा व सीटीसी मुम्बई के मध्य खेला गया जिसमें सडनडेथ के जरिये नवल टाटा 8–7 गोल से विजय रही।

इन्हें मिला मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार

आज के खेले पहले मैच में राजेश जैन द्वारा प्रदत्त मैन–ऑफ–द–मैच का पुरस्कार जोसेफ कोंगारी एसईसी रेल्वे कोलकता, दूसरे मैच में सोनू निषाद सेल अकादमी राउरकेला को और तीसरे मैच में भीमसेन किसकु नवल टाटा जमशेदपुर को नगद पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

दीप्ति शर्मा टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त दूसरे स्थान पर

एजेंसी ▶▶ दुबई

भारत की दीप्ति शर्मा एक पायदान चढ़कर आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में मंगलवार को संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गई जबकि उनकी हमवतन रेणुका सिंह भी दसवें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नोंकुलुलेको एमलाबा तीन पायदान गिरकर दूसरे से पांचवें स्थान पर खिसक गई। दीप्ति के साथ पाकिस्तान की सादिया इकबाल दूसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैंड की सारा ग्लेन चौथे स्थान पर है। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्सलेटन शीर्ष पर बनी हुई है। हरफनमौलाओं की सूची में शीर्ष दस में कोई बदलाव नहीं है। इसमें दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई हैं।

भारत का चैंपियन बनने का सपना टूटा, राहिल की हैट्रिक के बाद भी नीदरलैंड ने दी 7-4 से मात

एजेंसी ▶▶ मस्कट

सिमरनजीत सिंह की कप्तानी में खेल रही भारतीय हॉकी टीम का एफआईएच हॉकी5 वर्ल्ड कप में खिताब जीतने का सपना मंगलवार को टूट गया। उसे क्वार्टर फाइनल मैच में नीदरलैंड ने 7-4 से मात दी। अब भारतीय टीम 5वें से 8वें स्थान के मुकाबले में कीनिया से मुकाबला खेलेगी।

मोहम्मद राहिल की हैट्रिक के बावजूद भारत को एफआईएच हॉकी5 पुरुष विश्व कप के क्वार्टर फाइनल मैच में मंगलवार को नीदरलैंड ने 7-4 से हरा दिया। मोहम्मद राहिल ने पहले, 7वें और 25वें मिनट में गोल दागे.

उनके अलावा मनदीप मोर (11वां मिनट) ने भारत के लिए गोल किया। नीदरलैंड के लिए सैंडर डे विज्न (चौथा और 15वां) और अलेक्जेंडर शॉप (10वां और 26वां) ने 2-2 गोल किए। लुकास मिडेनडोर्प (12वां), जैमी वान आर्ट (13वां) और पेपिन रेयेंगा (20वां) ने 1-1 गोल दाग।

पहले हाफ में दिखी कड़ी जंग

मस्कट में खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच की शुरुआत काफी अच्छी रही और भारत के लिए राहिल ने पहले ही मिनट में गोल दागा। इसके बाद नीदरलैंड को सैंडर ने बराबरी दिलाई। भारत ने जवाबी हमले तेज किए और 7वें मिनट में राहिल ने टीम का दूसरा गोल दाग दिया। उन्होंने 25वें मिनट में अपनी गोल की हैट्रिक पूरी की लेकिन भारत को जीत नहीं दिला पाए। इसके बाद शॉप ने 10वें मिनट में ही स्कोर बराबर कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 143 मैचों में से 76 में दी मात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के बीच 2 फरवरी से 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। हाल ही में कैरेबियाई टीम ने ब्रिस्बेन टेस्ट में जीत दर्ज करके सीरीज को 1-1 से बराबरी पर समाप्त किया था। ऐसे में मेहमान टीम आत्मविश्वास से लबरेज होगी। दूसरी तरफ स्टीव स्मिथ के नेतृत्व में कंगारू टीम अपनी चुनौती पेश करेगी। वनडे में दोनों टीमों के एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

2 फरवरी से 3 मैचों की वनडे सीरीज में होगी भिड़ंत

ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा रहा है भारी

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 143 वनडे खेले गए हैं, जिसमें 76 में कंगारू टीम ने जीत दर्ज की है, जबकि 61 वनडे कैरेबियाई टीम ने अपने नाम किए हैं। इनके अलावा 3 मैचों के कोई परिणाम नहीं निकले हैं और 3 ही मैच टाई पर समाप्त हुए हैं। दोनों टीमों की पिछली 6 वनडे भिड़ंत में से 5 में ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज की है।

'उनका बेस्ट बीत चुका है... पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी ने की रोहित शर्मा की आलोचना

भारत के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में पहले टेस्ट में कुछ खास धमाल नहीं मचा पाए। उन्होंने पहली पारी में 24 और दूसरी पारी में 34 रन बनाए। भारत ने ये मैच 28 रन से गंवाया। पांच मैचों की सीरीज का दूरा टेस्ट दो फरवरी से विशाखापत्तनम में आयोजित होगा। विशाखापत्तनम टेस्ट से पहले इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ज्योफ्री बॉयकॉट ने रोहित की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के पास भारत में सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। रोहित के बल्ले से पिछले 3 सालों में 12 टेस्ट मैचों में महज 2 शतक निकले हैं। बॉयकॉट ने द टेलीग्राफ के लिए अपने कॉलम में लिखा कि, भारत को विराट कोहली की काफी कमी खल रही है और रविंद्र जडेजा को हैमस्ट्रिंग इंजरी है, जिससे वह दूसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे। उनके कप्तान रोहित शर्मा तकरीब 37 साल के हैं और उनका बेस्ट बीत चुका है। वह अच्छा कैमियो करते हैं लेकिन चार साल में घर पर महज दो टेस्ट सेंचुरी ही लगा सके हैं। वहीं, जडेजा को पहले टेस्ट के चौथे दिन हैमस्ट्रिंग में परेशानी हो गई थी। केएल राहुल अनफिट होने के कारण विशाखापट्टनम में नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई ने जडेजा-राहुल के बाहर होने के बाद दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय स्क्वॉड में सरफराज खान, सौरभ कुमार और वाशिंगटन सुंदर को जगह दी गई है। साथ ही बॉयकॉट को लगता है कि इंग्लैंड की टीम दूसरे टेस्ट में भरपूर आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। बॉयकॉट ने आगे कहा कि, जडेजा के रूप में मेजबान टीम को एक बहुत बड़ा झटका लगा है। वह एख बेहतरीन ऑलराउंडर टॉप गेंदबाज शानदार फील्डर हैं। वह पहले टेस्ट में उनके सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज थे। कोहली तिलिस्म हैं। वह बेहतरीन बल्लेबाज हैं, जिनका भारतीय पिचों पर औसत 60 का है। मैदान में उनकी ऊर्जा बहुत अच्छी है। उनका नहीं होना एक बड़ा नुकसान है और इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी से पहले इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

कला जगत

डा. निरूपमा शर्मा

ददरिया में आंचलिक अभिव्यक्ति

लोक जीवन की भावनाओं को लोक कंठ की वाणी में बोलता है और वही रचना लोक समूह की संपत्ति बन जाती है। जो ददरिया जैसे गीतों के माध्यम से अंचल में दिखाई देते हैं। ददरिया की गूंज में सामूहिक चेतना धारा की संगीत का स्वर सुनाई देता है। शिल्प की मुक्तता के उपरांत भी इसमें भावों की श्रृंखलाबद्ध स्थिति परिजनित होती है।

लोकगीत लोक मानस की सहज, स्वाभाविक, मौखिक अलिखित अभिव्यक्ति है। लोकगीतकार प्रकृति के बहुरंगी परिवेश में बदलती हुई ऋतुओं के साथ हृदय देश में जो अनुभूतियां जागृत होती हैं, उन्हें अपने नैसर्गिक रागबोध द्वारा गीतों के रूप मे अङ्गिव्यक्त करता है। लोक जीवन की भावनाओं को लोक कंठ की वाणी में बोलता है और वही रचना लोक समूह की संपत्ति बन जाती है। जो ददरिया जैसे गीतों के माध्यम से अंचल में दिखाई देते हैं। ददरिया की गूंज में सामूहिक चेतना धारा की संगीत का स्वर सुनाई देता है। शिल्प की मुक्तता के उपरांत भी इसमें भावों की ऋंखलाबद्ध स्थिति परिजनित होती है। यह निरक्षरों की संपदा है इसलिए इसमें परिनिष्ठितता की रीति लागू नहीं होती, परंतु इसमें जो साहित्य एवं शास्त्र की सूक्ष्मता मिलती है वह अङ्गिदर्शनीय होती है। ददरिया में अन्य गीतों की तरह न तो निश्चित मात्राएं होती हैं और न ही निश्चित वर्ण संयोजन। इसमें स्वर लहरी ही वह शाश्वत ध्वनि होती है जो उसकी अलग पहचान बना देती है। ददरिया की भी अपनी शैलीगत विशिष्टता है। ददरिया के प्रत्येक क्रम में मात्राओं, वर्णो का अंतर होता है, छंद का मात्रिक या वार्णिक रूप सुनिश्चित नहीं होता है, देखें-

बागे बगइचा दिखे ल हरियर...
दुरूग वाला नई दिखे बदे हौं नरियर...
इसी तरह
कांटा खूटी दुकल आहौ...
लोटिया म पानी भरके निकल आहौ...

पुस्तक समीक्षा

बेरा बेरा के बात

कृति के नाव: बेरा बेरा के बात
कृतिकार: पीसी लाल यादव
प्रकाशक: वैभव प्रकाशन रायपुर
समीक्षक: लाल जी
मूल्य: एक सौ रूपिया

छत्तीसगढ़ी म लिखे कविता के गुड़ी आय 'बेरा बेरा के बात'। लेखक ह सुलझे साहित्यकार आय। जेनहा गांव म रहिके गंवई के खानपान, रहन सहन ल कविता-कहानी अउ लेखन के माध्यम ले जियत हें। आप मन के इही सब ऐ मेर कविता के माध्यम ले झलकत हे। आप मन अपन ऐ कविता के किताब में समाज के विसंगति, जिनगी के मरम, प्रकृति के उदगार ल सुघ्घर ढंग ले रखे हव। ऐकरे संग हर कविता म कोनो ल कोनो संदेश देके उदीम घलो करे हव। ऐ किताब म छत्तीसगढ़ी भाषा के नंदावत शब्दकोष ह घलो उपराय हे। पढ़ैया मन ल घलो कविता पढ़े म मजा आही इही भाव के झलक ऐ किताब म देखे ल मिलत हे।

पौराणिक

अमरनाथ त्यागी

सिहावा क्षेत्र में रावण के राक्षसों का उत्पात

राक्षस राज रावण ने जब से अपनी बहन सूर्पनखा को प्रसन्न करने के लिए दंडकारण्य, पंचवटी, सिद्धाश्रम प्रभृति भारतीय दक्षिणी सीमा स्थापित कर लिया था, तब से इस प्रदेश में राक्षसों की गतिविधियां बहुत बढ़ गई थी। रावण के प्रतिनिधि खर दूषण और त्रिशिरा नामक गर्वोदत्त राक्षस चौदह हजार सेना लेकर इस प्रदेश में जमे हुए थे। रावण की विशाल सेना और अमिट पराक्रम की धाक महाराज दशरथ भी मान चुके थे। बड़े-बड़े पराक्रमी उसके सम्मुख बलहीन हो जाते थे।

राक्षस-राज्य की राजधानी तो लंका थी, किन्तु राक्षस राज रावण ने जब से अपनी बहन सूर्पनखा को प्रसन्न करने के लिए दंडकारण्य, पंचवटी, सिद्धाश्रम प्रभूति भारतीय दक्षिणी सीमा स्थापित कर लिया था, तब से इस प्रदेश में राक्षसों की गतिविधियां बहुत बढ़ गई थी। रावण के प्रतिनिधि खर दूषण और त्रिशिरा नामक गर्वोदत्त राक्षस चौदह हजार सेना लेकर इस प्रदेश में जमे हुए थे। रावण की विशाल सेना और अमिट पराक्रम की धाक महाराज दशरथ भी मान चुके थे। बड़े-बड़े पराक्रमी उसके सम्मुख बलहीन हो जाते थे। राम-लक्ष्मण को मांगने आए महर्षि विश्वामित्र के सम्मुख कोसल नरेश ने अपनी जो असमर्थता प्रकट की, उससे रावण से भयभीत हृदय का स्पष्ट पता चलता है-

तेन चाहं न शक्तोअस्मि संयोद् तस्य वा वलैः।।
वालं में तनयं ब्रहमादेव दास्यामि पुत्रकम।।

महाराज दशरथ की इस निर्बलता का रावण को भी पता था। इसलिए उसकी शह पर राक्षस समुदाय 'सिहावा' स्थान तक सीमित न रहकर यत्र तत्र उत्पात करने लगा था। कभी कभी तो उनके उपद्रव व्याघ्रसर (बक्सर) में विद्यमान विश्वामित्र आश्रम तक बढ़ जाते थे। उक्त दोनों ही राज्य सेना, रण कौशल और साम्राज्यलिप्सा में एक दूसरे से बढ़-चढ़कर थे। इस प्रकार इन दोनों साम्राज्यवादियों की गतिविधियों के कारण भारत के सीमान्त प्रदेशों तक निरंतर संकट के बादल मंडरा रहे थे और कोसल राज्य जो वृद्ध शासक के कारण निर्बल हो गया था, एक साधारण आक्रमण भी उसे ध्वस्त करने के लिए पर्याप्त था।

प्राकृतिक सौंदर्य का नजारा गोड़ेना जलप्रपात में

पर्यटनः तपेश जैन

उदंती अङ्ग्यारण्य छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में रायपुर-देवभोग मार्ग पर उड़ीसा सीमा पर स्थित अनेक वन्य प्राणियों को विचरण करते देखा जा सकता है। इसके साथ ही प्रकृति के सौम्य वातावरण का मजा भी लेने पर्यटक वर्ष भर यहां आते रहते हैं। इसी स्थल पर करलाझर ग्राम से आठ किमी दूरी पर गोड़ेना जलप्रपात स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए घने जंगल के बीच नदी के किनारे लगभग एक किमी की दूरी पैदल चलना होता है। रंग-बिरंगी चट्टानों के सामान्य ढाल से लगभग 250 मी बहते पानी को बच्चे फिसलन पट्टी के रूप में उपयोग करते हैं। यह स्थल एकांत में है और अत्यंत मनोरम है, जहां झरने की कलकल ध्वनि, पहाड़ों से बहती हुई सुनाई देती है। पर्यटकों के लिए पिकनिक का यह अच्छा स्थान है।

गोंडवाना काल में शिवनाथ नदी का महत्व

ऐतिहासिकः आचार्य मोतीरावण कंगाली

गोंडवाना काल में महाकोसल संभाग शिवनाथ नदी का अनेक महत्व रहा है। इस नदी के उत्तर में 18 गढ़ और दक्षिण में 18 गढ़ हैं। ऐसे इन छत्तीस गढ़ों के मध्य से प्रवाहित शिवनाथ नदी के उद्गम से संबंधित पौराणिक गाथा कोया वंशीय गोड़ समुदाय में अनादि काल से प्रचलित है। इस नदी की गाथा महाकोसल क्षेत्र के कोया वंशीय गोड़ समुदाय के सामाजिक मूल्यों की संजोए गाथा है जो उनके बालाओं की अपने लमसेना पति के प्रति सच्चा प्रेम का आदर्श करने वाली एक पौराणिक घटना है, जिसका आत्मोसर्ग अमर एवं स्तुत्य है। इस गाथा पर अनेक नाटकों का मंचन भी किया जा चुका है। आज भी इस विषय को लेकर लगातार शोध होते रहते हैं।

उत्कृष्ट रचनाधर्मी थे विभु खरे

सुरता

डा. पुष्पलता मिश्र

जाने माने शिक्षाविद-नाट्यकर्मी विभु खरे का जन्म म.प्र के सागर में 13 मार्च 1942 को हुआ था, लेकिन शिक्षा-दीक्षा छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुई। आप रायपुर के माधवराव सप्रे स्कूल से हाई स्कूल और दुर्गा विज्ञान महाविद्यालय से उच्चतर शिक्षा अर्जित की। आपने दुर्गा महाविद्यालय में अध्यापन कार्य किए। आपकी पहचान एक कथाकार के रूप में रही। आपकी कहानियां सामाजिक चेतना, जन सरोकार, परोपकार, आदर्श व्यक्तित्व के साथ जीवन के अनेक पहलुओं को चित्रित कर दिशा-निर्देश करती रहीं। इसके साथ ही अनेक नाटकों का भी लेखन किए, तथा नाट्य संस्था का निर्माण कर रंगमंचीय वातावरण निर्मित किए, जिसमें तत्कालीन समाज की ज्वलंत समस्याओं को उजागर करते रहे। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी आपने समाज को जागृत करने का काम किए। आपने हस्ताक्षर पत्रिका में संपादक के रूप में अपना योगदान दिए। आपने अपने जीवन में जो भी काम किए पूरी तन्मयता और लगन के साथ किए और साहित्य तथा नाट्य जगत में अपनी छाप छोड़कर 2007 को इस संसार से विदा हो गए।

लोक साहित्य

डा. सुधीर पाठक

सरगुजा अंचल में सदरी बोली का क्षेत्र

सदरी बोली को ही सांदो, जशपुरिहा, कोरवा और छोटा नागपुरी के नाम से भी जाना जाता है। नागपुरिया बोली में सदरी का अर्थ है-ऐसा व्यक्ति जो किसी स्थान विशेष में रहता हो और खानाबदोश न हो। सदरी बोली अंचल के सरगुजा जिले में राजपुर के पूर्वोत्तर शंकरगढ़ और कुसमी विकासखंड में तथा जशपुर जिले की संपर्क भाषा है।

सरगुजा समूह की रियासतों (सरगुजा, चांगभखार, कोरिया, जशपुर, और उदयपुर अर्थात वर्तमान धरमजयगढ़ तहसील) में जनजातियों की बहुलता है जिसमें सदरी बोली छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग (सरगुजा-जशपुर) से लेकर पश्चिम बंगाल में चौबीस परगना तक व्याप्त है। सदरी बोली को ही सांदो, जशपुरिहा, कोरवा और छोटा नागपुरी के नाम से भी जाना जाता है। नागपुरिया बोली में सदरी का अर्थ है-ऐसा व्यक्ति जो किसी स्थान विशेष में रहता हो और खानाबदोश न हो। सदरी बोली अंचल के सरगुजा जिले में राजपुर के पूर्वोत्तर शंकरगढ़ और कुसमी विकासखंड में तथा जशपुर जिले की संपर्क भाषा है। यह जशपुर के आगे गुमला मार्ग से रांची के दक्षिणी भाग तक पहुंच गई है, जहां इसे नागपुरी या छोटा नागपुरी का नाम दिया गया है। छत्तीसगढ़ की असुर, बिझिया, खड़यिा, खेरवार, किसान, कोरवा, मुंडा, नगेसिया, उरांव आदि आदिवासी द्वितीय भाषा के रूप में सदरी का व्यवहार करते हैं। उरांव जाति के लोग अब अपनी भाषा का व्यवहार छोड़कर तेजी से सदरी बोली को अपना रहे हैं।

पीजी कालेज में हुआ पूर्व शोध प्रबंध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन, विनोद कुमार सिंह ने दी प्रस्तुति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पी०जी० कालेज गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त संगोष्ठी मे कला संकाय के इतिहास विषय के शोधार्थी विनोद कुमार सिंह ने अपने शोध शीर्षक "सल्तनत कालीन भक्ति आंदोलनः एक अध्ययन" नामक विषय पर शोध प्रबन्ध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि सल्तनतकालीन भक्ति आन्दोलन का स्वरूप एवं प्रभाव मानवीयता से ओतप्रोत रहा है, इस आंदोलन ने सबसे निचले तबके के दलित-पीड़ित व शोषितों के जीवन में आत्म-सम्मान को जगाया। इसलिए इस आन्दोलन को व्यापक जन-सहयोग मिला। इस भक्ति आंदोलन ने नवीन परिस्थितियों को जन्म दिया, और इससे सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों का मानवीकरण हुआ। कमोवेश ऐसा वातावरण बनने लगा, जिसमें मानवता को तरजीह मिलने लगी और जातीय भेदभाव में शिथिलता परिलक्षित होने लगी। इसी तरह महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में भी बदलाव आया और उन्हें घर के बाहर के सामाजिक कार्यों या व्यवसायिक स्वतंत्रताओं की प्राप्ति होने लगी। इसी तरह धार्मिक आन्दोलन के फलस्वरूप एक ऐसे सन्तों का वर्ग अस्तित्व में आया, जो सूफी था और भारतीय धार्मिक समरता के लिए यत्न कर रहा था। इसके परिणामस्वरूप हिन्दू-मुस्लिम धर्मशास्त्रों का हिन्दी, संस्कृत, अरबी, फारसी आदि में अनुवाद आरम्भ हुआ तथा लोग एक-दूसरे के धर्म को समझने लगे। इससे धार्मिक समरसता में भी वृद्धि हुई। इन परिवर्तनों एवं प्रभावों के बाद भी भारतवर्ष में कभी भी समस्त जातीय-धार्मिक विभेद समाप्त नहीं हुए और एक स्थायी रेखा खिंची रही, जो आज भी अपने विभाजन निशान को बनाये हुए है। प्रस्तुतिकरण के बाद विभागीय शोध समिति, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा शोध पर विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थी विनोद कुमार सिंह ने संतुष्टिपूर्ण एवं उचित उत्तर दिया। तत्पश्चात समिति एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबंध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफे० डॉ०जी० सिंह , मुख्य नियंता प्रोफेसर डॉ०एस० डी० सिंह परिहार, शोध निर्देशक डॉ.अशोक कुमार सिंह एवं इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष अंजनी कुमार गौतम, डॉ० संजय कुमार, डॉ० गोपाल सिंह यादव, डॉ० बद्रीनाथ सिंह, डॉ० कृष्ण कुमार पटेल, डॉ० रविशेखर सिंह, डॉ० रामदुलारे, डॉ० लव जी सिंह, डॉ० योगेश कुमार, डॉ० अतुल कुमार सिंह एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा शोध छात्र छात्रएं आदि उपस्थित रहे। अंत में अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी० सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लॉन से चोरी हुए रुपये व मोबाइल बरामद, 2 अदद मोबाइल व क्रेडिट कार्ड व डेबिट कार्ड बरामद

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के मंडुवाडीह चौराहे के समीप स्थित एक लॉन से बीते 27 जनवरी को लॉन के कमरे का ताला तोड़कर नगद रुपये व मोबाइल तथा क्रेडिट कार्ड व डेबिट कार्ड चोरी कर लिए गए थे जिसमें मंडुवाडीह पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गए सामानों की बरामदगी कर ली। मंडुवाडीह थाना प्रभारी भरत उपाध्याय ने बताया कि बीते 27 जनवरी को नितिन रावत की शादी थी उसी दौरान उनके ससुराल पक्ष के लोगों के रुपये व मोबाइल फोन तथा क्रेडिट कार्ड भी चोरी हो गए थे, जिसका मुकदमा मंडुवाडीह थाने में पंजीकृत कर पुलिस जांच में जुटी हुई थी तभी मंगलवार की रात थाना प्रभारी भरत उपाध्याय को मुखबिर से सूचना मिली कि लॉन में चोरी करने वाला चोर फुलवरिया गेट नंबर 4 के पास मौजूद है जिस पर थाना प्रभारी ने लहरतारा चौकी इन्चार्ज राहुल सिंह, उपनिरीक्षक प्रशांत पांडेय,हे. का.शक्ति सिंह यादव,का. सूर्यभान सिंह के साथ पुलिस टीम गठित कर मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर छापेमारी कर आरोपी सत्यम तिवारी उम्र 23 वर्ष निवासी ए-2352/4 एल डीए कॉलोनी को कारण बताकर गिरफ्तार किया,आरोपी के पास से चोरी गए क्रेडिट कार्ड,डेबिट कार्ड,पैन कार्ड, 1280 नगद व 2 मोबाइल फोन बरामद किए। पूछताछ में आरोपी सत्यम ने बताया की मैं उक्त लॉन में छिपकर गया था और दुल्हन के कमरे से 2 मोबाइल व नीचे खड़ी गाड़ी से पर्स चोरी किया था। पर्स में रुपये व क्रेडिट कार्ड व डेबिट कार्ड तथा पैन कार्ड तथा चोरी किया हुआ 2 मोबाइल फोन भी था पुलिस ने मेरे पास से बरामद किया है और चोरी किये गए क्रेडिट कार्ड से मैंने 1611 रुपये की शॉपिंग भी की थी।

कुष्ठ रोग दिवस पर जिला विधिक द्वारा हुए कार्यक्रम, छात्राएं हुई पुरस्कृत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विश्व कुष्ठ निवारण दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में खालिसपुर स्थित संत नारायण बाबा इंटर कालेज बुधवार को कुष्ठ रोग व जाति प्रथा पर विविध कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा समिति पिंडरा के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुष्ठ रोगियों , छुआछूत, जाति प्रथा पर कॉलेज की छात्र छात्राओं द्वारा गीत, नाटक व पोस्टर के माध्यम से कुष्ठ रोग के प्रति लोगों को जागरूक किया। बेहतर प्रस्तुति पर छात्राओ को पुरस्कृत किया गया। वही छात्रा नैना गुप्ता के भावभीनी प्रस्तुति पर नायब तहसीलदार ने नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार श्वेता सिंह पटेल रही। उन्होंने कहाकि कुष्ठ रोग अब लाइलाज बीमारी नही रही। इसका सभी अस्पताल में निशुल्क है। इसका सभी लोग लाभ उठाए। स्वागत प्रबन्धक श्रीप्रकाश मिश्रा व धन्यवाद ज्ञापन सचिव मीना मिश्रा व संचालन ने किया। जागरूकता अभियान को विधिक सेवा सलाहकार भरत भुआल, मनोज कुमार, संजय पटेल, विकास राय , कुसुमलता व कानूनगो रामफेर यादव ने सम्बोधित किया।

रोजगार मेले का हुआ आयोजन, 186 बेरोजगार युवकों को मिला रोजगार, सरकार को दिया धन्यवाद

प्रखर संतकबीरनगर। जिला समन्वयक बृजेश कुमार ने बताया है कि प0दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, कौशल विकास मिशन एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर, विकास खण्ड खलीलाबाद में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उक्त रोजगार मेले में माननीय जिला उपाध्यक्ष अमर राय जी के द्वारा प्रतिभागियों को नियुक्तिः पत्र वितरित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया गया व शुभकामनाएं दी। उक्त रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनी टाटा मोटर्स, डी-मार्ट लिमिटेड, टाटा विन्स्ट्रोन, ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल एंड आयुर्वेदिक प्राइवेट लिमिटेड, डिक्सन लिमिटेड, एम एंड एन स्टाफिंग साल्यूशन, एयरटेल इंडिया, बोनईंडिया सर्विसेज, हीरो बजाज मोटर्स, इंटाम बायोटेक हेल्थकेयर, उषा इलेक्ट्रॉनिक्स, विप्रो इलेक्ट्रॉनिक्स, नमो श्री अन्ना लिमिटेड, यू०एम० मैनपावर सर्विसेज, निम्सन हर्बल टेक्नोलॉजी, एन० आई० सी० इंडिया, एम० एण्ड एन स्टाफिंग, सफायर सल्यूशन, जैप्पी मैनेजमेंट, ग्रीन कॉन टेक्नॉल्जी सहित कुल 20 निजी कंपनियों ने प्रतिभाग किया। इस रोजगार मेले में 564 बेरोजगार प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें कुल 186 प्रतिभागियों को जॉब ऑफर किया गया। उक्त रोजगार मेले में जिला समन्वयक बृजेश कुमार, जिला सेवायोजन अधिकारी शैलेन्द्र शुक्ला, प्रधानाचार्य हीरालान रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय बृजेश कुमार त्रिपाठी, जिन्ना प्रबंधक धीरेन्द्र विक्रम सिंह व प्रशांत कुमार मिश्रा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मोहम्मद अख्तर, रोजगार मेला प्रभारी राजेश कुमार, केंद्र प्रबंधक भीम कुमार गुप्ता व अन्य उपस्थित रहे।

कृमि मुक्ति कार्यक्रम के लिए सामुदायिक जागरूकता जरूरी : सीएमओ

प्रखर कुशीनगर। जनपद के आंगनबाड़ी केन्द्रों और स्कूलों में पहली फरवरी 2024 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है। कार्यक्रम में लगने वाले कर्मियों को प्रशिक्षित भी कर दिया गया है। कार्यक्रम में कुल करीब 19.64 लाख बच्चों को दवा खिलाने का लक्ष्य है। उक्त बातें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुरेश पटारिया ने बताया ने कही। उन्होंने बताया कि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामुदायिक जागरूकता जरूरी है। कार्यक्रम स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में मनाया जाएगा। एक से 19 साल के बच्चों और किशोर-किशोरियों को पेट से कीड़े निकालने की दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाएगी। बच्चों को कृमि से मुक्ति दिलाने तथा कुपोषण और एनीमिया से बचाने के लिए दवा जरूर खिलाएं।

उन्होने बताया कि पहली फरवरी 2024 को 4543 स्कूलों और 4134 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। छूटे हुए बच्चों को दवा खिलाने के लिए 5 फरवरी को मॉपअप राउंड चलेगा। यह दवा शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने सामने खिलाएंगे और किसी भी स्थिति में परिजनों को दवा नहीं दी जाएगी। कृमि के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए यह दवा सबसे बेहतर उपाय है। जिन बच्चों के पेट में पहले से कृमि होते हैं उन्हें कई बार कुछ हल्के प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं लेकिन इससे घबराना नहीं चाहिए और आशा या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की मदद से चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। दवा खाली पेट नहीं खानी है।

दवा खाने के फायदे

स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार

रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि

एनीमिया नियंत्रण

समुदाय में कृमि संक्रमण की व्यापकता में कमी

सीखने की क्षमता और कक्षा में उपस्थिति में सुधार

ऐसे भी होता है कृमि से बचाव

साफ और छोटा नाखून

साफ पानी का सेवन

आस-पास साफ-सफाई

ढ़के हुए खाने का इस्तेमाल

जूते पहनना

खुले में शौच न करना

खाने के पहले और शौच जाने के बाद हाथ अवश्य धुलें

साफ पानी से फल और सब्जियां धोकर इस्तेमाल करें

खेल-खेल में बढ़ा विवाद, चाकूबाजी में दो घायल

प्रखर संतकबीरनगर। यूपी के संत कबीर नगर जिले में खलीलाबाद कोतवाली अंतर्गत मोतीनगर मोहल्ले के लाल मैरिज हॉल के पास गुल्ली डंडा खेल रहे कुछ युवकों में आपस में हुई कहा सुनी कुछ युवकों ने दो युवक पर चाकू से किया हमला। हमले में दो युवक गंभीर रूप से हुए घायल ।दोनों युवक घायल मौके से हुए आरोपी युवक फरार। मामले की सूचना पर पहुंच पुलिस ने घायल युवकों को घटना स्थल पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायलों को भेजा अस्पताल।

गंभीर अवस्था को देखते हुए जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने घायलों को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर किया रेफर। चाकूबाजी के मामले की जांच पड़ताल में पुलिस जुटी हुई हैं। आपको बता दे की दरसल पुरा मामला कोतवाली अंतर्गत मोती नगर मोहल्ले का है जहां कुछ युवक गिल्ली डंडा खेल रहे थे आपस में कुछ कहा सुनी हुई इसके बाद एक पक्ष दूसरे पक्ष पर हमलावर हो गया। घायल उवको ने बताया की हमारे साथ बात विवाद करने वाले के पास चाकू था। जिससे कई बार हमारे ऊपर हमला कर दिए। हमले में मैं और मेरा दोस्त दोनो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके से हमलावर युवक फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया जांच पड़ताल में जुटी पुलिस ।अस्पताल ने गंभीर अवस्था देखते हुए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज को दोनों युवकों को रेफर कर दिया मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सदर क्षेत्राधिकार बृजेश सिंह मय फोर्स के साथ जिला चिकित्सालय पहुंचे । परिजनो से मिलकर मामले से संबंधित जानकारी हासिल की और विधिक कार्रवाई में जुट गए। वहीं घायल युवक ने बताया कि गुल्ली डंडा खेल रहे थे और बात विवाद आपस में इतना बढ़ गया कि उन लोगों ने हम पर चाकू से हमला कर दिया । बीच बचाव करने आए मेरे साथी पर भी चाकू से हमला किया गया। घायल युवक दीपक कसेरा ,दीपक गुप्ता नाम बताया जा रहा है। दोनो घायल युवक संतकबीरनगर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इस चाकूबाजी वाले पूरे मामले पर पुलिस की तरफ से कोई बयान नहीं मिल है। कोतवाली पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले से जुड़े वांछित कुछ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। बाकी विधिक कार्रवाई जारी है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में दूसरे दिन 2 मुस्लिम सहित 211 जोड़े हुए एक दूजे के

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत सामुहिक विवाह समारोह के दूसरे दिन आयोजन आरटीआई मैदान नवीन स्टेडियम में किया गया। शादी समारोह का शुभारम्भं जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। सामुहिक विवाह योजना में जनपद के 08 विकास खण्डो, को मिलाकर कुल 211 जोड़ो का सामुहिक विवाह पूरे विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। सामुहिक विवाह के अवसर पर उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नव विवाहित वर-वधुओं को उनके वैवाहिक जीवन की मंगल कामना करते हुए शुभकामना दी। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी की उपस्थिति में 02 मुस्लिम जोड़ों की मोलवी द्वारा निकाह कराया गया जिसमें नव दाम्पत्य को विवाह प्रमाण पत्र एवं पौध रोपण हेतु फलदार वृक्ष का पौधा उनके हाथ में दिया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने नव विवाहित वर-वधुओ को आर्शिवचन देते हुए कहा कि नव विवाहित जोड़ो ने 7 फेरे लेकर एक साथ रहने का जो संकल्प लिया है उसे आजीवन निर्वहन करे। मुख्यमंत्री जी ने इस योजना के माध्यम से गरीब, मजदूर एवं असहाय परिवारो को इसका लाभ दिया है। उन्होने कहा कि उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के निर्देशन में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के महत्वकाक्षी योजना को आगे बढ़ाते हुए उ0प्र0 के बेटियो को उन्होने अपनी बेटी मानकर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना पूरे प्रदेश में चलाया है, जिसका हम सभी सम्मान करते है। उन्होने कहा कि दानो में सर्वश्रेष्ठ दान कन्यादान है। आप जीवन में आगे बढ़े। जिस तरह यहा आज उत्सव हो रहा है वैसे ही आप का जीवन का हर दिन उत्सव भरा हो। उन्होने शादी समारोह में आये हुए वर एवं वधु के परिजनो के प्रति भी शुभकामना व्यक्त की। अध्यक्षा ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत 51 हजार की धनराशि प्रदान किया जा रहा है जिसमें 35 हजार रुपए वधु के खाते में तथा 10 हजार रुपए के उपहार एवं 6 हजार शादी समारोह के आयोजन के लिए दिया जा रहा है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारो की शादी कराया जा रहा है। जिसमे लड़के की उम्र 21 वर्ष एवं लड़की की आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत की टीम को सामुहिक विवाह के सफल आयोजन पर आभार व्यक्त करते हुए विवाहित नव दाम्पत्य जोड़ो को उनके विवाहित जीवन के लिए शुभकामनाए दी। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से बेटियों को बोझ समझने की जो एक मंशा या सोच रहती है, उन सभी कुरीतियों पर एक प्रहार है यह सामुहिक विवाह कार्यक्रम। मिल बाट कर एक सादगी से भरे इस कार्यक्रम में परिणय सुत्र मे बध जाये और दहेज प्रथा तथा बेटियों को बोझ समझने की सोच से उबरकर, हम आगे बढ सके तथा बेटियों को समाज में उनको उचित स्थान दे सके यही मुख्यमंत्री जी की मंशा है।

आउटडोर एल.ई.डी. होर्डिंग के माध्यम से गाँवों में पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर संतकबीर नगर। विकास खण्ड नाथनगर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,नमामि गंगे तथा ग्रामीण जिला पूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन जल जीवन मिशन हर घर जल के अंतर्गत आउटडोर एल.ई.डी. होर्डिंग एक्शन फॉर रूलर डेवलपमेंट की टीम को विकाश खण्ड अधिकारी श्री रूपनारायण भारती,सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्री आनंद मोहन व सचिन व ग्राम प्रधान एवं अन्य अधिकारी गण द्वारा हरी झंडी दिखाकर विकास खण्ड स्तरीय व राजस्व स्तरीय एल.ई.डी.व होर्डिंग फ्लेक्सी बैनर जनपद स्तरीय तहसील,ग्राम पंचायत व राजस्व स्तर के लिए रवाना किया । जो पूरे ब्लाक स्तरीय व राजस्व स्तरीय पर आई.ई.सी. गतिविधियों के माध्यम से जन जागरूकता का कार्य करेंगी एक्शन फॉर रूरल डेवलपमेंट संस्था डी.पी.सी. सक्षम प्रताप सिंह व सहायक डी.पी.सी. नीरज जायसवाल के द्वारा ब्लॉक स्तर,राजस्व एवं ग्राम पंचायत के लिए रवाना किया गया।

संक्षिप्त खबरें

महिला यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की हुई बैठक

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की महिला यौन उत्पीड़न प्रतिषेध समिति की बैठक हुई संपन्न,बैठक की अध्यक्षता समिति की अध्यक्ष प्रो. अमिता सिंह ने की उन्होंने बताया कि समिति में कोई भी शिकायत नहीं आई बैठक में समिति के उद्देश्यों के क्रियान्वयन प्रकिया हेतु यह निर्णय लिया गया कि सभी विभागों में इस समिति के दायित्वों एवं उद्देश्यों पर अभिमूखीकरण सत्र संचालित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसके बारे में जान सकें बैठक में डॉ.नीरज धनकड़ ,डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह, समाज सेविका डॉ.रोली सिंह,एडवोकेट अंकिता सिंह एवं प्रीति शारदा उपस्थित रहीं।

धूमधाम से मना विदाई समारोह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान पर लक्ष्मण सिंह कुशवाहा अर्दली 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवा निवृत हुए इनकी सेवा निवृत के विदाई समारोह में संस्थान के आचार्य पंकज श्रीवास्तव ने कुशवाहा को अंग वस्त्रम भेट किया और उनके सेवा काल पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सभा का संचालन विजय प्रताप सिंह प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी ने की। विदाई समारोह में प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी राधा रमण प्रसाद ने भेट स्वरुप रामायण प्रदान की। संस्थान के द्वय प्रचार सहायक आनंद श्रीवास्तव एवं संजय मौर्या, प्रधान सहायक मृत्युंजय सिंह, स्टेनो रमेश पाल कनिष्ठ सहायक किशन कुमार सिंह ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में प्रमोद सिन्हा, कमला यादव, बदरे आलम, कुसुम देवी , रागिनी सिंह, सुरेंद्र राम, राजरानी पाण्डेय, सुनील, विद्यासागर, अभिजीत यादव ओमप्रकाश, संजयकुमार आदि उपस्थित रहें।

गाजीपुर सदर मे लगा रोजगार मेला, 590 में 208 का अन्तिम राउंड के लिए हुआ चयन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत कौशल विकास मिशन, गाजीपुर एवं जिला सेवायोजन कार्यालय, गाजीपुर के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय आई0टी0आई0, गाजीपुर परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी कम्पनियॉ क्वैस कापोर्रेशन, एडेक्को प्रा0लि0, रोहित हाईब्रीड सीड्स प्रा0लि0, रौजा गाजीपुर जॉब सीकर्स स्टाप द्वारा डिक्सन, पैजेट, मिकुनी हेतु चयन सहित कुल 08 कम्पनियों द्वारा ट्रेनी, फील्ड आफीसर, मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, फीटर, कम्प्यूटर आपरेटर, इलेक्ट्रानिक मैनूफक्चैरिंग, हेल्पर आदि पदों पर चयन किया गया। मेले में लगभग 590 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से विभिन्न पदों पर कुल 208 अभ्यर्थियों का अन्तिम राउंड हेतु चयन किया गया। भारत के कार्यबल को कुशल बनाकर अंर्तराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने हेतु भारत सरकार के स्किल इण्डिया मिशन के तहत स्किल इण्डिया इंटरनेशल सेन्टर एसआईआईसी वाराणसी द्वारा उक्त स्कूल परिसर में प्री-काउंसिलिंग की गयी। जिसमें इजराइल, दुबई, अबुधाबी, शारजाह, सऊदी अरब देशों में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, हेल्पर, क्लीनर, माली, ए.सी. टेक्नीशियन, सिक्योरिटी गार्ड, कुक, वेटर, मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैन, मेसन, ड्राइवर इत्यादि जॉब रोल्स के लिए प्री-काउंसलिंग में लगभग 194 अभ्यर्थियों का वाराणसी टीम द्वारा काउंसलिंग की गयी जिसमें से 48 अभ्यर्थी विदेशों में रोजगार पाने हेतु योग्य पाये गये जिसमें से 33 अभ्यर्थी पासपोर्टधारी है। इन सभी योग्य अभ्यर्थियों को अन्तिम चयन हेतु एसआईआईसीए वाराणसी सेन्टर पर काल किया जायेगा।

कोतवाली पुलिस ने किया मारपीट व गैर इरादतान हत्या के अभियुक्तगण को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में मंगलवार को ग्राम बिरहिमाबाद बबेडी थाना कोतवाली क्षेत्र में अभियुक्त गण श्रीनाथ बिन्द पुत्र स्व0 रामकिशुन बिन्द, सतीश बिन्द पुत्र श्रीनाथ बिन्द निवासीगण बिरहिमाबाद बबेडी थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर द्वारा वादी अशोक बिन्द पुत्र स्व0 रामकिशुन बिन्द निवासी बिरहिमाबाद बबेडी थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर के पुत्र सुनील कुमार उम्र 22 वर्ष के द्वारा भैंस को रास्ते मे बाँधने से मना करने पर अभियुक्तगण द्वारा गाली गलौज देते हुए मारना पीटना एवं इस घटना में वादी के पुत्र सुनील बिन्द की मृत्यु हो जाने के कारण थाना कोतवाली गाजीपुर पर मु0अ0सं0 42/2024 धारा 304,323,504 भादवि बनाम श्रीनाथ बिन्द आदि उपरोक्त के विरूद्ध पंजीकृत हुआ। दौरान विवेचना वांछित अभियुक्त गण श्रीनाथ बिन्द पुत्र स्व0 रामकिशुन बिन्द, सतीश बिन्द पुत्र श्रीनाथ बिन्द निवासीगण बिरहिमाबाद बबेडी थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर को बुधवार को लंका बस स्टैण्ड गाजीपुर से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं